# Jahresbericht

der

# Realschule und des Progymnasiums

zu Grimma

über das Schuljahr 1899/1900

erstattet von

Prof. **Brandt**, Direktor.

Bibliothek des Städt. Gymnasiums * Düsseldorf *

**Grimma.**
Druck von Frdr. Bode.
1900.

1900. Progr. Nr. 606.

9gr
11
(1900)

606

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

UNIVERSITÄTS- UND LANDESBIBLIOTHEK DÜSSELDORF

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

# I. Personalverzeichnis.

## 1. Realschulkommission.

Bürgermeister Max Lobeck.
Professor a. d. Fürsten- und Landesschule Ernst Uhlich.
Archidiakonus Karl Bernhard Thömel.
Der Realschuldirektor.

## 2. Lehrerkollegium.

Direktor Professor Franz Bernhard Brandt.
Oberlehrer Friedrich Wilhelm Zander.
Oberlehrer Friedrich Hermann Saupe.
Oberlehrer Friedrich Hermann Agsten.
Oberlehrer Friedrich Ernst Winkler.
Oberlehrer Karl Max Kümmel.
Oberlehrer Dr. phil. Emil Theodor Granz.
Oberlehrer Dr. phil. Karl Maximilian Herrmann.
Oberlehrer cand. rev. min. Max Bauer.
Oberlehrer Karl Theodor Herrmann.
Wissenschaftlicher Hilfslehrer cand. rev. min. Wilhelm Heinrich Georg Grosse.
Ständiger Fachlehrer Karl Otto Weller.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

## 3. Schüler.

* = vor der Weihnachtsversetzung abgegangen.
— = erst nach der Weihnachtsversetzung aufgenommen oder aus einem anderen Grunde nicht eingeordnet.

| Lauf. Nr. | Klassenplatz. | Name des Schülers. | Zeit der Geburt. | Stand des Vaters. | Wohnort des Vaters. |
|---|---|---|---|---|---|
| | | **Realschule.** | | | |
| | | **Klasse I.** | | | |
| 1 | 6 | Förster, Otto | 1883, 6. Dez. | † Bankkassierer | Mutter in Mügeln (Bez. Leipzig) |
| 2 | * | Heine, Rudolf | 1883, 3. Juni | Privatmann | Grimma |
| 3 | 13 | Hörig, Walter | 1883, 23. Okt. | Bäckermeister | Grimma |
| 4 | 9 | Irrgang, Paul | 1883, 5. Nov. | Buchhalter | Grimma |
| 5 | 11 | Julius, Arthur | 1883, 29. Sept. | Privatmann | Grimma |
| 6 | 1 | Kerst, Bruno | 1883, 24. Dez. | Güterkassierer | Grimma |
| 7 | 12 | Kormann, Erich | 1884, 4. März | Rittergutspachter | Grosspösna |
| 8 | 4 | Naumann, Walter | 1882, 31. Dez. | Pfarrer | Röcknitz |
| 9 | 14 | Quaas, Alfred | 1883, 22. März | Gutsbesitzer | Schönbach |
| 10 | 10 | Rothe, Walter | 1883, 3. Juni | Bürgerschullehrer | Grimma |
| 11 | 5 | Schenker, Fritz | 1883, 11. Feb. | Bäckermeister | Colditz |
| 12 | 8 | Schmidt, Louis | 1883, 26. Sept. | Ziegeleibesitzer | Grimma |
| 13 | 2 | Thomas, Max | 1881, 5. Sept. | † Baumeister | Stiefv.: Baumeister Handke, Schöneberg-Berlin. |
| 14 | 3 | Voigt, Walter | 1883, 2. Mai | † Kaufmann | Mutter in Leipzig |
| 15 | 7 | Winkler, Ewald | 1880, 3. Dez. | Rittergutsbesitzer | Zschirla |
| | | **Klasse II.** | | | |
| 16 | 11 | Altner, Martin | 1884, 7. März | Gutsbesitzer | Grossbuch |
| 17 | 13 | Böttger, Arthur | 1884, 5. April | Gutsbesitzer | Frauendorf |
| 18 | 17 | Claus, Hans | 1882, 11. Juli | Stationsassistent | Colditz |
| 19 | 16 | Dennert, Rudolf | 1884, 12. Mai | Bürgerschullehrer | Grimma |
| 20 | 14 | Goldschmidt, Fritz | 1885, 1. Feb. | Kaufmann | Wurzen |
| 21 | 3 | Hantschmann, Ewald | 1884, 6. Feb. | Gasthofs- u. Gutsbes. | Nauberg |
| 22 | 15 | Kron, Karl | 1884, 5. Okt. | Generaldirektor | Golzern |
| 23 | 1 | Lägel, Georg | 1883, 4. April | Pfarrer | Cavertitz |
| 24 | 9 | Lerscht, Erich | 1883, 7. Aug. | Apotheker | Naunhof |
| 25 | 5 | Lunderstädt, Alfred | 1882, 28. Mai | Pfarrer | Grünlichtenberg |
| 26 | 6 | Munkelt, Hermann | 1883, 6. Juli | Kaufmann | Grimma |
| 27 | * | Neufeld, Martin | 1883, 11. Sep. | Kaufmann | Grimma |
| 28 | 10 | Palm, Karl | 1884, 30. Sep. | Amtsverwalter | Klostergut Nimbschen |
| 23 | 8 | Pönitz, Paul | 1883, 14. Aug. | Packer und Portier a. d. K. S. Staatsbahn | Grossbothen |
| 30 | 12 | Prüfer, Max | 1884, 5. Mai | Fabrikant | Schlagwitz b. Mügeln |
| 31 | 4 | Streubel, Bruno | 1883, 13. Nov. | Schnittwarenhändler | Siebenlehn |
| 32 | 7 | Winkler, Gotthard | 1882, 17. Juli | Bäckermeister | Bieberstein |
| 33 | 2 | Wittig, Karl | 1884, 29. April | † Baumeister | Mutter in Wurzen |

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

| Lauf. Nr. | Klassenplatz. | Name des Schülers. | Zeit der Geburt. | Stand des Vaters. | Wohnort des Vaters. |
|---|---|---|---|---|---|
| | | **Klasse III.** | | | |
| 34 | 31 | Bachmann, Johannes | 1885, 22. Okt. | Lohgerbermeister | Grimma |
| 35 | * | Becker, Hermann | 1885, 23. Jan. | Pfarrer | Auligk |
| 36 | 30 | Braun, Kurt | 1886, 4. Jan. | Buchbindermeister | Grimma |
| 37 | 4 | Brodkorb, Walter | 1885, 30. Juni | Gutsbesitzer | Zöhda |
| 38 | 19 | Emmel, Wilhelm | 1886, 25. Juni | Giessereileiter | Golzern |
| 39 | 27 | Flegel, Paul | 1886, 2. April | Husarenwachtmeister | Grimma |
| 40 | 8 | Gebhardt, Georg | 1886, 3. Sept. | Prokurist | Golzern |
| 41 | 21 | Geist, Walter | 1884, 19. Juli | Oberpostassistent | Dresden |
| 42 | 28 | Hentschel, Max | 1885, 17. Juli | Schuhmachermeister | Grimma |
| 43 | * | Heubner, Rudolf | 1885, 9. Juni | † Realgymnas.-Oberl., Dr. phil. | Vorm.: Dr. med. Neumann, Grimma |
| 44 | 24 | Hörig, Kurt | 1885, 15. Aug. | Bäckermeister | Grimma |
| 45 | 6 | Jacob, Arthur | 1884, 5. Aug. | Gutsbesitzer | Lüttnitz |
| 46 | 16 | Jurich, Alfred | 1885, 17. Nov. | Gutsbesitzer | Böhlitz b. Grimma |
| 47 | 9 | Kayser, Otto | 1884, 16. Sept. | Stadtkassierer | Colditz |
| 48 | 20 | Küchenmeister, Willy | 1885, 31. Mai | Schmiedesteiger | Obergruna |
| 49 | 13 | Lassig, Willy | 1885, 18. Jan. | Bürgerschullehrer | Burgstädt |
| 50 | 5 | Lochmann, Willy | 1883, 3. Aug. | Gutsbesitzer | Klinga |
| 51 | 3 | Mohr, Johannes | 1885, 5. Sept. | Bleichereibesitzer | Grimma |
| 52 | 25 | Müller, Fritz | 1886, 19. April | Waldaufseher | Grimma |
| 53 | 1 | Pfütze, Walter | 1885, 28. Juli | Gutsbesitzer | Grottewitz |
| 54 | 2 | Reichel, Hermann | 1886, 28. Nov. | Sekr. d. Amtshptmsch. | Grimma |
| 55 | 11 | Rittberger, William | 1886, 12. Dez. | Kaufmann | Limbach |
| 56 | 22 | Schladebach, Karl | 1884, 1. Okt. | † Stadtgutsbesitzer | Mutter in Wurzen |
| 57 | 7 | Schlobach, Rudolf | 1886, 28. Mai | Mühlenbesitzer | Colditz |
| 58 | 15 | Schmuckler, Kurt | 1885, 16. Juli | Fabrikbesitzer | Halle a./S. |
| 59 | 26 | Schulze, Erich | 1887, 15. März | Prokurist | Grimma |
| 60 | 18 | Schuncke, Otto | 1884, 31. März | Fabrikleiter | Schöneck |
| 61 | 23 | Steglich, Ehrhard | 1886, 21. Feb. | † Pastor | Mutter in Grimma |
| 62 | 17 | Stockhausen, Max | 1885, 22. Juli | Kaufmann | Grimma |
| 63 | 14 | Voigt, Gerhard | 1885, 22. Jan. | † Kaufmann | Mutter in Leipzig |
| 64 | 10 | Weber, Alfred | 1885, 4. Dez. | † Mühlengutsbesitzer | Mutter in Tautenhain |
| 65 | 29 | Werner, Martin | 1886, 16. Mai | Rentier | Grimma |
| 66 | 12 | Zschau, Fritz | 1887, 28. April | † Kaufmann | Mutter in Grimma |
| | | **Klasse IV.** | | | |
| 67 | 26 | Andrich, Walter | 1886, 16. Nov. | Bahnhofswirt | Grimma |
| 68 | * | Anger, Karl | 1886, 7. Dez. | Amtsstrassenmeister | Grimma |
| 69 | 20 | Berger, Kurt | 1887, 21. Mai | Bäckermeister | Grimma |
| 70 | 17 | Braun, Heinrich | 1887, 16. Mai | Fabrikleiter | Colditz |
| 71 | 22 | Burkhardt, Karl | 1885, 5. Mai | Maurermeister | Brandis |
| 72 | 31 | Dietrich, Paul | 1885, 6. Dez. | Oekonomieinspektor | Trebsen |
| 73 | 4 | Fritzsche, Kurt | 1886, 31. Okt. | † Schlossermeister | Stiefv.: Schlossermeister Bernstein, Grimma |
| 74 | 21 | Fritzsche, Paul | 1886, 14. Juli | † Kaufmann | Mutter in Nerchau |

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

| Lauf. Nr. | Klassenplatz. | Name des Schülers. | Zeit der Geburt. | Stand des Vaters. | Wohnort des Vaters. |
|---|---|---|---|---|---|
| 75 | 2 | Giessmann, Hugo | 1885, 1. Juli | Seifensiedermeister | Wurzen |
| 76 | 33 | Götze, Fritz | 1885, 21. Nov. | Stadtgutsbesitzer | Grimma |
| 77 | 25 | Hensel, Willy | 1887, 17. Feb. | Hufbeschlagmeister | Grimma |
| 78 | 19 | Herrmann, Johannes | 1884, 8. Nov. | Postsekretär | Grimma |
| 79 | 23 | Hessel, Hermann | 1887, 15. Mai | Fabrikbesitzer, Kommerzienrat | Nerchau |
| 80 | 24 | Höhne, Kurt | 1887, 14. März | Uhrmacher | Grimma |
| 81 | 7 | Kleine, Otto | 1886, 5. Sept. | Gasthofsbesitzer | Golzern |
| 82 | 30 | Klug, Fritz | 1886, 13. Sept. | Saalmeister | Golzern |
| 83 | 3 | Kralapp, Arthur | 1886, 22. Jan. | Bahnexpeditionsgehilfe | Grossbothen |
| 84 | 34 | Kretschmer, Ehrhard | 1885, 3. April | Baumstr. u. Bürgermstr. | Ostritz |
| 85 | 16 | Kuhne, Oskar | 1887, 20. April | Privatmann | Gaschwitz |
| 86 | 6 | Lehmann, Gustav | 1884, 26. Nov. | † Rittergutsbesitzer | Stiefv.: Rechtsanw. Dr. Kormann, Leipzig |
| 87 | 28 | Lorenz, Erich | 1886, 15. Dez. | Rentier u. Ortsrichter | Nerchau |
| 88 | 10 | Mehnert, Otto | 1886, 15. Okt. | † Materialwarenhändler | Vorm.: Lohgerb. Walther, Grimma |
| 89 | 11 | Müller-Uri, Otto | 1886, 23. Feb. | Augenfabrikant | Leipzig |
| 90 | 5 | Neumann, Frank | 1884, 4. Okt. | Kaufmann | Nottingham |
| 91 | 29 | Otto, Edmund | 1887, 6. März | Amtsgerichtsrendant | Grimma |
| 92 | 27 | Plant, Ludwig | 1886, 28. Sept. | Kön. Oberforstmeister | Moritzburg |
| 93 | 12 | Priemer, Paul | 1885, 20. Dez. | Zimmermann | Grimma |
| 94 | 13 | Schiffel, Kurt | 1887, 19. März | † Stahlwarenhändler | Mutter in Grimma |
| 95 | 8 | Schleider, Max | 1886, 1. Juli | † Privatmann | Mutter in Grimma |
| 96 | 18 | Schmidt, Friedrich | 1885, 29. Nov. | Architekt u. Baumstr. | Wurzen |
| 97 | 9 | Schmidt, Paul | 1885, 27. Nov. | Ziegeleibesitzer | Grimma |
| 98 | 1 | Tauchnitz, Kurt | 1887, 16. Dez. | Landesschulaufwärter | Grimma |
| 99 | 32 | Trautmann, Robert | 1886, 22. Feb. | Restaurateur | Grimma |
| 100 | 14 | Wetzig, Walter | 1887, 9. Feb. | Klempnermeister | Grimma |
| 101 | 15 | Zschunke, Camillo | 1887, 20. Mai | Hausbesitzer | Leisenau |
| | | **Klasse V.** | | | |
| 102 | 30 | Bachmann, Kurt | 1889, 28. April | Lohgerbermeister | Grimma |
| 103 | 22 | Birnbaum, Kurt | 1887, 29. April | † Feilenhauer | Mutter in Grimma |
| 104 | 20 | Breithut, Alfred | 1887, 31. Juli | Produktenhändler | Trebsen |
| 105 | 17 | Disqué, Ludwig | 1886, 18. Aug. | Chefarzt, Dr. med., Kreisarzt a. D. | Chemnitz |
| 106 | 12 | Emmel, Paul | 1888, 1. Nov. | Giessereileiter | Golzern |
| 107 | 8 | Franz, Willy | 1887, 9. Okt. | Proviantamtskontroll. | Grimma |
| 108 | 2 | Graich, Walter | 1886, 24. Dez. | Gutsbesitzer | Möseln |
| 109 | 29 | Hartwig, Camillo | 1888, 28. Feb. | † Kaufmann | Stiefv.: Gasthofsbesitzer Mühlberg, Grossbothen |
| 110 | — | Heine, Heinrich | 1886, 26. Mai | Maschinenfab.-Obermeister | Grimma |
| 111 | 16 | Hilbig, Kurt | 1887, 8. Sep. | Fleischermeister | Grimma |
| 112 | 11 | Hoffmann, Arno | 1886, 26. Juli | Gutsbesitzer | Grossbardau |
| 113 | 21 | Jäger, Martin | 1888, 5. Feb. | Photograph | Grimma |
| 114 | 18 | Kauffeldt, Alfred | 1888, 11. Dez. | Täschner u. Tapezierer | Grimma |
| 115 | 3 | Kron, Otto | 1888, 8. März | Generaldirektor | Golzern |
| 116 | 13 | Kröber, Willy | 1887, 27. Juni | Fabrikbesitzer | Grimma |

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

| Lauf. Nr. | Klassenplatz. | Name des Schülers. | Zeit der Geburt | Stand des Vaters. | Wohnort des Vaters. |
|---|---|---|---|---|---|
| 117 | 10 | Liebner, Wilhelm | 1887, 24. Okt. | Gutsbesitzer | Liebertwolkwitz |
| 118 | 15 | Löffler, Herbert | 1886, 12. Okt. | Kirchschullehrer | Hermsdorf b. Geringswalde |
| 119 | 24 | Müller, Willy | 1887, 17. Aug. | Kaufmann | Kleinbothen |
| 120 | 9 | Näser, Johannes | 1889, 24. Jan. | Musiker | Grimma |
| 121 | — | Perlmann, Woldemar | 1887, 5. Juli | Kaufmann | Leipzig |
| 122 | 14 | Planitz, gen. Levecke, Walter | 1888, 2. Okt. | Barbier u. Zahnkünstler | Grimma |
| 123 | 5 | Pönisch, Albert | 1887, 5 Okt. | Stadtkrankenhausverw. | Grimma |
| 124 | 1 | Posern, Armin | 1887, 14. März | Seminaroberlehrer | Grimma |
| 125 | 25 | Raue, Karl | 1887, 11. Sept. | Cigarrenfabrikant | Grimma |
| 126 | 23 | Richter, Otto | 1888, 20. Jan. | Bureauass. u. Wirtsch.-Verw. a. d. Fürstensch. | Grimma |
| 127 | 31 | Schlenker, Kurt | 1886, 20. März | Gastwirt | Burgberg |
| 128 | 27 | Schubert, Kurt | 1888, 13. Mai | Hufbeschlagemeister | Grimma |
| 129 | 4 | Senf, Max | 1886, 10. April | Gutsbesitzer | Grossbothen |
| 130 | 19 | Thierbach, Karl | 1887, 24. April | † Schnittwarenhändler | Stiefv. Fratzscher, Schnittwrnhdlr., Grossbardau |
| 131 | * | Wachtler, Karl | 1889, 16. Jan. | Restaurateur | Grimma |
| 132 | 7 | Wappler, Ehrhard | 1887, 26. Mai | Kaufmann | Mutzschen |
| 133 | 6 | Wetzig, Max | 1888, 30. Juli | Klempnermeister | Grimma |
| 134 | 28 | Wetzold, Kurt | 1887, 17. Dez. | Gasthofsbesitzer | Pomssen |
| 135 | — | Wiedemann, Hans | 1887, 21. Nov. | Eisengiessereibesitzer | Bösdorf |
| 136 | 26 | Wolf, Willy | 1888, 14. April | Gasthofsbesitzer | Grimma |
| | | **Klasse VI.** | | | |
| 137 | — | Böttger, Kurt | 1889, 18. Sept. | Gutsbesitzer | Grethen |
| 138 | 2 | Francke, Rudolf | 1889, 2. Mai | Leitungsrevisor | Grimma |
| 139 | 5 | Gärtner, Richard | 1889, 21. März | Gasthofs- und Mühlengutsbesitzer | Lindhardt |
| 140 | 1 | Heidel, Wilhelm | 1890, 4. Jan. | † Ratsregistrator | Mutter in Grimma |
| 141 | 11 | Hickmann, Wilhelm | 1889, 16. Sept. | Rittergutspächter | Grosssteinberg |
| 142 | 8 | Hofmann, Hugo | 1888, 14. Okt. | † Schieferdeckermstr. | Mutter in Grimma |
| 143 | 8 | Jasper, Richard | 1888, 8. Aug. | Kaufmann | Mutzschen |
| 144 | 3 | Kelterborn, Otto | 1889, 18. Aug. | Postverwalter | Naunhof |
| 145 | 13 | Kiessig, Clemens | 1889, 27. April | Schuhmachermeister | Neunitz |
| 146 | 14 | Kron, Walter | 1889, 31. Juli | Generaldirektor | Golzern |
| 147 | 9 | Kuhne, Johannes | 1889, 1. Juni | Privatmann | Gaschwitz |
| 148 | 10 | Laue, Arthur | 1889, 26. Mai | Landwirt | Grimma |
| 149 | 17 | Lochmann, Max | 1890, 21. Jan. | Gutsbesitzer | Klinga |
| 150 | 12 | Neufeld, Alfred | 1890, 30. Juni | Kaufmann | Grimma |
| 151 | 15 | Raue, Albert | 1889, 17. Juni | Cigarrenfabrikant | Grimma |
| 152 | 16 | Reifegerste, Kurt | 1889, 15. Nov. | Kaufmann | Grimma |
| 153 | 6 | Schuster, Kurt | 1888, 22. Dez. | Fabrikbesitzer | Rodewisch |
| 154 | 4 | Steude, Ernst | 1889, 24. Jan. | Gutsbesitzer | Hohenheida |
| 155 | — | Wiedemann, Friedrich | 1889, 2. Jan. | Eisengiessereibesitzer | Bösdorf |

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

| Lauf. Nr. | Klassenplatz. | Name des Schülers. | Zeit der Geburt. | Stand des Vaters. | Wohnort des Vaters. |
|---|---|---|---|---|---|
| | | **Progymnasium.** | | | |
| | | **Quarta.** | | | |
| 156 | 21 | Böhringer, Gottfried | 1886, 18. Sept. | Pfarrer | Nemt |
| 157 | 39 | Böttger, Arno | 1886, 24. Jan. | Gutsbesitzer | Frauendorf |
| 158 | 27 | Bretschneider, Johannes | 1886, 8. Okt. | Diakonus | Hainichen |
| 159 | 22 | Buerschaper, Hans | 1886, 5. Aug. | Rechtsanwalt u. Notar, Dr. iur. | Oederan |
| 160 | 30 | Bürger, Hermann | 1886, 2. Mai | Pfarrer | Hohenkirchen |
| 161 | 20 | Busch, Kurt | 1885, 25. Jan. | Bürgerschullehrer | Penig |
| 162 | 26 | Claus, Georg | 1886, 26. Aug. | Gutsbesitzer | Mahris |
| 163 | 8 | Franke, Johannes | 1886, 2. März | Bürgerschullehrer | Lengenfeld i./V. |
| 164 | 23 | Graul, Egon | 1885, 11. Okt. | Kantor | Adorf |
| 165 | 32 | Grundig, Walter | 1887, 9. Mai | Inventarverwalter und Rechnungsführer | Colditz |
| 166 | 7 | Grundmann, Kurt | 1885, 30. Sept. | Schlachtviehhändler | Mügeln (Leipzig) |
| 167 | 2 | Günther, Paul | 1885, 30. Okt. | Seminaroberl., Dr. phil. | Waldenburg i./S. |
| 168 | 35 | Hahn, Bernhard | 1886, 30. Okt. | Gutsbesitzer | Bröhsen |
| 169 | 31 | Hanns, Walter | 1886, 27. März | Bezirksschulinspektor, Dr. phil. | Grimma |
| 170 | 17 | Hoffmann, Georg | 1886, 22. Dez. | Oberpostsekretär | Waldheim |
| 171 | * | Jobst, Gerhard | 1886, 8. April | Kirchschullehrer | Taura |
| 172 | 29 | Kormann, Max | 1887, 30. Jan. | Rittergutspachter | Grosspösna |
| 173 | 13 | Kron, Max | 1887, 18. Jan. | Generaldirektor | Golzern |
| 174 | 11 | Lägel, Alfred | 1885, 8. Nov. | Pfarrer | Cavertitz |
| 175 | 3 | Lommatzsch, Karl | 1886, 19. Dez. | † Seminaroberlehrer | Mutter in Grimma |
| 176 | 12 | Merkel, Walter | 1886, 27. Juni | † Buchdruckereibes. | Stiefv. Postverwalter Wiesner, Strehla a. E. |
| 177 | 6 | Merzdorf, Benno | 1885, 10. Juli | Gutsbesitzer | Strocken |
| 178 | 14 | Munkelt, Alfred | 1886, 19. Juni | Kaufmann | Grimma |
| 179 | 25 | Reichel, Fritz | 1886, 24. Mai | Fabrikdirektor | Wilischthal |
| 180 | 37 | Remler, Oskar | 1886, 24. Mai | Gutsbesitzer | Fuchshain |
| 181 | 15 | Roch, Fritz | 1886, 2. Feb. | Dir. d. Inn. Mission, Past. Dr. phil. | Leipzig |
| 182 | 33 | Rudolph, Walter | 1886, 3. Sept. | Ratsförster | Ehrenfriedersdorf |
| 183 | 9 | Schmidt, Oskar | 1885, 1. Juli | Kirchschullehrer | Breitingen |
| 184 | 24 | Schönherr, Kurt | 1887, 28. Jan. | Kaufmann | Marienberg |
| 185 | 4 | Schulze, Otto | 1886, 4. Aug. | Pfarrer | Lausigk |
| 186 | 5 | Speck, Hans | 1887, 7. Jan. | Kalkwerksbesitzer | Borna |
| 187 | 28 | Stock, Andreas | 1887, 8. Feb. | Pfarrer | Polenz |
| 188 | 19 | Tietze, Martin | 1886, 17. April | Pfarrer u. Schlosspred. | Neuhausen b. Sayda |
| 189 | 38 | Tille, Walter | 1885, 3. Dez. | Kirchschullehrer | Wendishain |
| 190 | 34 | Tzschucke, Paul | 1887, 13. Feb. | Pfarrer | Tautenhain |
| 191 | 1 | Uhlich, Theodor | 1886, 14. Sept. | Prof. a. d. Fürstenschule | Grimma |
| 192 | 36 | Wagner, Fritz | 1887, 19. Jan. | Seminaroberlehrer | Grimma |
| 193 | 18 | Weissbach, Hans | 1886, 22. Jan. | Postdirektor | Grimma |
| 194 | 41 | Wetzel, Hans | 1887, 18. Sept. | Pfarrer, Lic. th. Dr. ph. | Grossbothen |

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

| Lauf. Nr. | Klassenplatz. | Name des Schülers. | Zeit der Geburt. | Stand des Vaters. | Wohnort des Vaters. |
|---|---|---|---|---|---|
| 195 | 10 | Winkler, Arno | 1885, 6. Okt. | Rittergutsbesitzer | Zschirla |
| 196 | 16 | Wohlgemuth, Alfred | 1885, 25. Okt. | Posamenten- u. Seidenschnurenfabrikant | Annaberg |
| 197 | 40 | Zimmermann, Albert | 1887, 23. April | Pfarrer | Neichen |
| | | **Quinta.** | | | |
| 198 | 21 | Albert, Richard | 1887, 12. Mai | Sup., Lic. th. Dr. phil. | Grimma |
| 199 | 15 | Bahrmann, Kurt | 1887, 9. Mai | Rittergutsbesitzer | Tauscha b. Dresden |
| 200 | 3 | Bernhardi, Helmut | 1887, 15. Nov. | † Rektor, Prof. Dr. ph. | Mutter in Grimma |
| 201 | 8 | Buschbeck, Friedrich | 1888, 4. Juli | Pfarrer | Grossbardau |
| 202 | 17 | Dennert, Fritz | 1888, 1. Feb. | Bürgerschullehrer | Grimma |
| 203 | 12 | Einenkel, Volkmar | 1887, 20. April | Pfarrer | Glaubitz |
| 204 | 2 | Fischer, Walter | 1887, 18. Feb. | Ziegeleibesitzer | Liebertwolkwitz |
| 205 | 16 | Fleischer, Heinrich | 1887, 10. März | Prof. a. d. Fürstenschule, Dr. phil. | Grimma |
| 206 | 11 | Florey, Leopold | 1887, 8. Nov. | Brandversicherungsinspektor | Grimma |
| 207 | 13 | Graf, Ernst | 1887, 30. Jan. | Herzogl. Oberförster | Hummelshain |
| 208 | 18 | Grohmann, Kurt | 1888, 6. Mai | Kön. Forstmeister | Glasten |
| 209 | 7 | Kästner, Willy | 1887, 5. Dez. | Gutsbesitzer | Langenleuba-Oberhain |
| 210 | 14 | Kühn, Gottfried | 1887, 1. Aug. | Pfarrer | Hof b. Stauchitz |
| 211 | 4 | Leonhardt, Karl | 1889, 29. Jan. | Lohgerbermeister, Stadtrat | Grimma |
| 212 | 9 | Lobeck, Wilhelm | 1888, 19. Mai | Bürgermeister | Grimma |
| 213 | 1 | Ludwig, Willy | 1886, 16. Dez. | Gutsbesitzer | Wiederau b. Pegau |
| 214 | 6 | Naumann, Ernst | 1887, 20. Okt. | Pfarrer | Röcknitz |
| 215 | 5 | Poppitz, Georg | 1886, 18. Aug. | Gutsbesitzer | Grossstädten |
| 216 | 19 | Quenzel, Kurt | 1887, 3. Okt. | Ratskellerpächter | Grimma |
| 217 | 10 | Raue, Wilhelm | 1889, 10. Jan. | Cigarrenfabrikant | Grimma |
| 218 | 20 | Rudolph, Otto | 1888, 28. März | Ratsförster | Ehrenfriedersdorf |
| | | **Sexta.** | | | |
| 219 | 17 | Arnold, Max | 1888, 7. Juli | Seminar-Hausmeister | Grimma |
| 220 | 12 | Axt, Georg | 1889, 18. Jan. | Pfarrer | Flöha |
| 221 | 7 | Bernhardi, Edmund | 1889, 1. Okt. | † Rektor, Prof. Dr. ph. | Mutter in Grimma |
| 222 | * | Böhringer, Martin | 1888, 11. Feb. | Pfarrer | Nemt |
| 223 | 16 | Böhringer, Bernhard | 1889, 11. Nov. | Pfarrer | Nemt |
| 224 | 11 | Braun, Richard | 1888, 26. Okt. | Fabrikleiter | Colditz |
| 225 | 1 | Burck, Gerhard | 1888, 23. Sept. | Oberpostassistent | Grimma |
| 226 | 10 | Frauenberger, Friedrich | 1888, 10. Dez. | Apotheker | Brandis |
| 227 | 20 | Herzog, Karl | 1889, 24. April | † Kön. Förster | Mutter in Grimma |
| 228 | 19 | Hilbig, Alfred | 1888, 18. Dez | Fleischermeister | Grimma |
| 229 | 6 | Kirmsse, Felix | 1887, 17. Nov. | Gutsbesitzer | Wyhra |
| 230 | 9 | Koch, Alexander | 1888, 11. Nov. | Hofphotograph | Singapore |
| 231 | 18 | Köhler, Fritz | 1889, 21. März | Kön. Strassen- u. Wasserbau-Insp., Baurat | Grimma |

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

| Lauf. Nr. | Klassenplatz. | Name des Schülers. | Zeit der Geburt. | Stand des Vaters. | Wohnort des Vaters. |
|---|---|---|---|---|---|
| 232 | 4 | Lipffert, Johannes | 1888, 1. Juni | Pfarrer | Hain b. Kieritzsch |
| 233 | 3 | Merzdorf, Herbert | 1889, 20. Feb. | Gutsbesitzer | Strocken |
| 234 | 5 | Prietsch, Albert | 1888, 25. Sept. | Kön. Bezirkstierarzt | Grimma |
| 235 | 15 | Richter, Werner | 1889, 18. Feb. | Kirchschullehrer | Gallschütz |
| 236 | 13 | Rothe, Rudolf | 1888, 3. Mai | Bürgerschullehrer | Grimma |
| 237 | * | von Stein, Heinz | 1889, 12. Sept. | Freiherr, Oberstleutn. | Grimma |
| 238 | 8 | Teichmann, Kurt | 1888, 29. Juli | Kantor | Langenchursdorf |
| 239 | 14 | von Türckheim, Rudolf | 1889, 5. April | † Freiherr, Privatmann | Mutter in Grimma |
| 240 | 2 | Uhlich, Martin | 1889, 30. Mai | Prof. a. d. Fürstenschule | Grimma |

## Abgang und Aufnahme.

### a. Abgang.

Ostern 1899:

aus Klasse I mit dem Reifezeugnis:

Kurt Andreas aus Grimma (Kaufmann), Ewald Gerlach aus Kirchberg (Baufach), Arthur Herrmann aus Grimma (Techniker), Karl Hildebrandt aus Grimma (Apotheker), Richard Kempin aus Düren (Oberrealschule zu Düren), Hugo Koczura aus Grossbothen (Eisenbahndienst), Rudolf Landgraf aus Wurzen (Techniker), Johannes Luja aus Grimma (höh. Gewerbschule zu Chemnitz), Erich Neufeld aus Grimma (Techniker), Max Philipp aus Grimma (Steuerfach), Erich Schneider aus Grimma (Elektrotechniker), Kurt Singer aus Grimma (Eisenbahndienst), Kurt Uhlemann aus Wednig (Landwirt), Johannes Wildenhain aus Grimma (Geometer), Karl Zeidler aus Grimma (Rg. zu Döbeln);

aus Klasse II:

Alfred Boschütz aus Tröglitz (Technikum zu Altenburg);

aus Klasse III:

Wolfgang von Abendroth aus Kössern (Landwirtschaftl. Schule zu Döbeln), Gustav Bosse aus Grosssteinberg (Buchhändler), Max Förster aus Mügeln (Baufach), Otto Geissler aus Böhlen (Uhrmacher), Bruno Sauer aus Nerchau (Beamtenschule zu Nerchau), Max Schlenker aus Wessnig (Landwirtschaftl. Schule zu Döbeln), Otto Schröder aus Neumühle-Böhlen (Maschinenbauer);

aus Klasse IV R:

Rudolf Bley aus Golzern (Bürgersch. zu Zehdenik), Alfred Schuster aus Zeunitz (Kaufmann);

aus Klasse V R:

Walter Koch aus Wurzen (Lithograph), Walter Neufeld aus Grimma (Bürgersch. zu Grimma);

aus Klasse VI R:

Walter Meissner aus Grimma (Rsch. zu Grossenhain), Georg Pfütze aus Grimma (Frei-

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

maurerinst. zu Dresden), Fritz Quaas aus Grimma (Bürgersch. zu Grimma), Erich Walch aus Moskau (Rsch. zu Plauen),

aus Quarta (Progym.):

Theodor Apel aus Leipzig, Kurt Bauer aus Grimma, Otto Berthold aus Grimma, Walter Helbig aus Grimma, Albrecht Herz aus Pausa, Erich Lotichius aus Zschadrass, Fritz Mayas aus Grimma, Hans Mey aus Grossbuch, Rudolf Nicolai aus Schweta, Max Palm aus Nimbschen, Erich Posern aus Grimma, Otto Puschmann aus Johanngeorgenstadt, Wilhelm Schreyer aus Burgstädt, Johannes Schuncke aus Schöneck i. V., Martin Thielemann aus Grimma, Martin und Rudolf Weiske aus Forsthaus Oberholz, Hans Werner aus Geithain, Fritz Zander aus Grimma

(Fürstenschule zu Grimma),

Georg Fraustadt aus Dahlen (Fürstenschule zu Meissen), Fritz Bauer aus Zwenkau (Nikolaigym. zu Leipzig), Hans Bockwitz aus Waldheim (Gym. zu Freiberg), Rudolf Günther aus Zschadrass (Gym. zu Jena), Walter Reimann aus Gröbschütz (Gym. zu Plauen i. V.), Daniel Stock aus Polenz (Gym. zu Zwickau), Johannes Hoppe aus Marienberg (Rg. zu Freiberg), Werner Fraustadt aus Borna (Privatunterricht);

aus Quinta:

Ernst Huhn aus Leisenau und Hans Nauels aus Golzern (Gym. zu Wurzen), Martin Dietrich aus Grossbardau (Volkssch. zu Grossbardau), Franz Möckel aus Grossenhain (Rsch. zu Grossenhain);

im Laufe des Schuljahres 1899—1900:

aus Kl. I:

Rudolf Heine aus Grimma (Rg. zu Döbeln);

aus Kl. II:

Martin Neufeld aus Grimma (Kaufmann);

auz Kl. III:

Hermann Becker aus Auligk (Rsch. zu Gumperda i. Thür.), Rudolf Heubner aus Leipzig-Reudnitz (Rsch. zu Leisnig), Arthur Jacob aus Lüttwitz (Landwirtschaftl. Schule zu Wurzen), Walter Geist aus Dresden (Kaufmann);

aus Kl. IV R:

Karl Anger aus Grimma (Bürgersch. zu Kamenz);

aus Kl. V R:

Karl Wachtler aus Grimma (III. Rsch. zu Leipzig);

aus Kl. IV P:

Gerhard Jobst aus Taura (Rsch. zu Döbeln);

aus Kl. VI P:

Heinz von Stein aus Oschatz (Rsch. zu Oschatz), Martin Böhringer aus Nemt (Gym. zu Wurzen.)

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

## b. Aufnahme.

Ostern 1899:

nach Kl. VI R:

Wilhelm Heidel, Hugo Hofmann, Arthur Laue, Alfred Neufeld, Albert Raue, Kurt Reifegerste

aus Grimma,

Richard Gärtner aus Lindhardt, Wilhelm Hickmann aus Grosssteinberg, Richard Jasper aus Mutzschen, Otto Kelterborn aus Naunhof, Clemens Kiessig aus Neunitz, Walter Kron aus Golzern, Johannes Kuhne aus Gaschwitz, Kurt Schuster aus Rodewisch, Ernst Steude aus Hohenheida;

nach Kl. V R:

Alfred Breithut aus Trebsen, Willy Franz aus Grimma, Wilhelm Liebner aus Liebertwolkwitz, Armin Posern aus Grimma, Max Senf aus Grossbothen, Ehrhard Wappler aus Mutzschen;

nach Kl. IV R:

Paul Dietrich aus Trebsen, Otto Müller-Uri aus Leipzig, Frank Neumann aus Nottingham;

nach Kl. III:

Willy Küchenmeister aus Obergruna, William Rittberger aus Limbach, Gerhard Voigt aus Leipzig;

nach Sexta (Progym):

Georg Axt aus Flöha, Edmund Bernhardi aus Grimma, Martin Böhringer aus Sohland a. d. Sp., Richard Braun aus Colditz, Friedrich Frauenberger aus Brandis, Felix Kirmsse aus Wyhra, Johannes Lipffert aus Hain, Herbert Merzdorf aus Strocken, Werner Richter aus Gallschütz, Heinz von Stein aus Grimma, Kurt Teichmann aus Langenchursdorf;

nach Quinta:

Friedrich Buschbeck aus Grossbardau, Willy Kästner aus Langenleuba-Oberhain, Willy Kröber aus Grimma, Gottfried Kühn aus Hof b. Stauchitz, Willy Ludwig aus Wiederau;

nach Quarta:

Johannes Bretschneider aus Hainichen, Hans Buerschaper aus Öderan, Georg Claus aus Mahris, Johannes Franke aus Lengenfeld i. V., Kurt Grundmann aus Mügeln, Walter Hanns aus Grimma, Georg Hoffmann aus Waldheim, Walter Merkel aus Strehla, Benno Merzdorf aus Strocken, Fritz Roch aus Leipzig, Hans Speck aus Borna, Martin Tietze aus Neuhausen, Paul Tzschucke aus Tautenhain, Alfred Wohlgemuth aus Annaberg;

im Laufe des Schuljahres 1899—1900:

nach VI R:

Rudolf Francke aus Grimma, Max Lochmann aus Klinga, Friedrich Wiedemann aus Bösdorf, Kurt Böttger aus Grethen;

nach V R:

Willy Wolf aus Grimma, Woldemar Perlmann aus Leipzig, Hans Wiedemann aus Bösdorf, Heinrich Heine aus Grimma;

nach IV R:

Gustav Lehmann aus Leipzig;

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

nach III:
Kurt Schmuckler aus Halle;
nach VI P:
Bernhard Böhringer aus Nemt;
nach V P:
Otto Rudolph aus Ehrenfriedersdorf;
nach IV P:
Walter Rudolph aus Ehrenfriedersdorf.

---

# II. Lehrbericht.

## 1. Übersicht über die einzelnen Lehrgegenstände.

| Lehrgegenstände | Realschule | | | | | | Progymnasium | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | VI | V | IV | III | II | I | VI | V | IV |
| Religion | 3 | 3 | 3 | 2 | 2 | 2 | 3 | 3 | 2 |
| Deutsch | 8 | 6 | 5 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 3 |
| Lateinisch | — | — | — | — | — | — | 9 | 9 | 9 |
| Französisch | — | 6 | 6 | 7[1] | 5 | 5 | — | — | 6 |
| Englisch | — | — | — | 4 | 4 | 4 | — | — | — |
| Geographie und Geschichte | 3 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 3 | 4 | 4 |
| Naturbeschreibung | 2 | 2 | 2 | 2 | 1 | 1 | 2 | 2 | 2 |
| Naturlehre | — | — | — | — | 5 | 5 | — | — | — |
| Rechnen und Mathematik | 5 | 4 | 6 | 6 | 5 | 5 | 4 | 4 | 4 |
| Zeichnen | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | — |
| Schreiben | 3 | 2 | 2 | – | — | — | 2 | 2 | — |
| Zusammen | 26 | 29 | 30 | 31 | 32 | 32 | 29 | 30 | 30 |
| Hierüber: | | | | | | | | | |
| Gesang — Chor: | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 |
| Gesang — Klassen: | 1 | 1 | 1 | — | — | — | 1 | 1 | 1 |
| Turnen | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 |
| Latein (Wahlfach)[2] | — | — | — | 3 | 3 | 3 | – | — | — |
| Stenographie (Wahlfach)[2] | — | — | — | 2 | 1 | — | — | — | — |
| Schreiben für einzelne Schüler der Klassen I, II, III, IV P.[3] | — | — | — | 1 | 1 | 1 | — | — | 1 |

[1] Das Gesetz schreibt nur 6 Stunden vor. Die 7. Stunde war von Hohem Ministerium s. Z. nur versuchsweise und zunächst nur für das eine Schuljahr genehmigt worden.
[2] Vgl. V, S. 25.
[3] Vgl. II, S. 19.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

## 2. Übersicht über den behandelten Lehrstoff.

### Realschule.

#### Klasse I.

Klassenlehrer: Oberlehrer Zander.

**Religion.** Bauer. Kirchengeschichte: Die älteste Zeit der Kirche. Ausbreitung des Christentums. Entwicklung des Papsttums. Vorreformatoren. Reformationsgeschichte. Das Wichtigste aus der neuesten Kirchengeschichte. — Glaubenslehre: Das Wirken des heiligen Geistes. Kirche und Gnadenmittel. Inhalt und Bedeutung unseres Gottesdienstes. Die letzten Dinge. Die wichtigsten Unterscheidungslehren. Bibelkunde: Lesen und Erklärung einschlagender biblischer Stellen. — Wiederholung von Kirchenliedern und Sprüchen.

**Deutsch.** Zander. Abriss der deutschen Litteratur von Martin Opitz bis zur Neuzeit mit besonderer Berücksichtigung der klassischen Periode, verbunden mit Lektüre dahingehöriger Gedichte und Prosastücke aus dem Döbelner Lesebuche Teil V. Von grösseren Dichtungen wurden ganz gelesen: Uhland: Ernst, Herzog von Schwaben und Schiller: Maria Stuart. Privatlektüre mit Besprechung in der Klasse: Goethe: Hermann und Dorothea. Schiller: Wilhelm Tell. — Grundzüge der Metrik und Poetik. — Haus- und Klassenarbeiten. — Übung im freien Vortrag.

Themata der Aufsätze: 1. Die Geschichte zweier Douglas. (Nach den Balladen: Das „Herz von Douglas" von Strachwitz und „Archibald Douglas" von Fontane.) 2. Der Gang der Handlung in Uhlands: Ernst, Herzog von Schwaben. 3. Die Entwickelung der deutschen Postdampfschiffahrt. 4. Inhaltsangabe der beiden ersten Gesänge von „Hermann und Dorothea". 5. Die Schicksale Maria Stuarts seit Darnleys Tode. 6. Tages Arbeit, Abends Gäste, Saure Wochen, Frohe Feste, Sei dein künftig Zauberwort. 7. Klopstock als vaterländischer Dichter. 8. Der Winter. 9. Warum hielt Maria Stuart ihre Verurteilung für ungerecht? 10. Der Hamburger Hafen (Klassenarbeit; nach einem Bilde.) 11. Die Segnungen des Friedens. 12. Die Mutter in Hermann und Dorothea. 13. Warum liegen die meisten Städte am Wasser? (Prüfungsarbeit.)

**Französisch.** Zander. Plötz-Kares, Schulgrammatik, Lektion 58—72. — Exercitien abwechselnd mit Extemporalien. — Lektüre: Emile Souvestre: L'Apprenti. — Sprechübungen.

**Englisch.** Zander. Grammatik: Deutschbein, Lehrgang (Neue Bearbeitung) Abschnitt V und VI zum Teil. — Häusliche schriftliche Arbeiten abwechselnd mit Klassenübersetzungen. — Lektüre: Anthony Trollope: The O'Conors of Castle Conor. — Sprechübungen.

**Geographie.** Agsten. Die aussereuropäischen Staaten in erweiterter Darstellung.

**Geschichte.** Brandt. Vom Ausbruch der grossen französischen Revolution bis auf die Gegenwart. — Wiederholungen.

**Naturbeschreibung.** Agsten. Fortsetzung der Mineralogie. — Abriss der Geologie.

**Physik.** Saupe. Erweiterte Behandlung der Lehre von Schall, Licht, Wärme (Meteorologie), Magnetismus und Elektrizität.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

**Chemie.** Saupe. Basische und Säurehydrate. Salze: Bezeichnung, Darstellung, Zersetzung, Verwendung in der Industrie. — Auflösung stöchiometrischer Aufgaben des Grundr. der Chemie v. Rüdorff.

**Rechnen.** Winkler. Wechselrechnung. Warenrechnung. Kontokorrenten. Aller 3 Wochen eine schriftliche Arbeit.

**Algebra.** Saupe. Potenzen mit allgemeinen Exponenten. Wurzeln. Logarithmen. Gleichungen des ersten Grades mit mehreren Unbekannten. Quadratische Gleichungen. — Aller drei Wochen eine Haus- oder eine Klassenarbeit.

**Geometrie.** Saupe. Kreismessung. — Wiederholung der Planimetrie. – Stereometrie. Lösung stereometrisch-algebraischer Aufgaben. — Aller drei Wochen eine Haus- oder eine Klassenarbeit.

**Geometr. Zeichnen.** Th. Herrmann. Darstellung des Grund- und Aufrisses einfacher Körper und ebener Schnitte derselben in verschiedenen Lagen. Schlagschattenkonstruktionen. Durchdringungen. Abwicklungen.

**Freihandzeichnen.** Weller. Skizzierübungen nach der Natur. Blätter, Zweige und Vögel nach der Natur mit breiter Schattengabe. Pflanzen- und farbige Ornamente nach „Krumbholz" und „Godron". Aquarellübungen nach den Reissschen „Schwarzwald-Idyllen."

**Latein.** Kümmel. Grammatik: Hauptsachen aus der Tempus- und Moduslehre; Wiederholungen aus der Kasuslehre (Übungsbuch für Tertia und Unter-Sekunda). — Lektüre: Ausgewählte Stücke aus Caesar, de bello Gallico.

## Klasse II.

Klassenlehrer: Oberlehrer Saupe.

**Religion.** Bauer. Bibelkunde: Im Sommer: Die Evangelien. Im Winter: Die Psalmen, davon 30 ausführlich. — Glaubenslehre: Religion und Christentum. Allgemeine und Sonderbekenntnisschriften. Lehre von Gott, vom Menschen, Christi Person und Werk. — Wiederholung von Sprüchen und Kirchenliedern. — Unser Gesangbuch.

**Deutsch.** Saupe. Geschichte der deutschen Litteratur bis auf Opitz mit besonderer Berücksichtigung der mittelalterlichen Blüteperiode, verbunden mit Lektüre dahin gehöriger Musterstücke aus dem Döbelner Lesebuche, Teil V. Die Dichter der Freiheitskriege. — Erklärt und gelernt wurde Schillers Lied von der Glocke. Mündlicher Vortrag klassischer Gedichte aus der Sammlung von Echtermeyer. — Behandlung der wichtigsten Dichtungsarten und metrischen Gesetze. — Grammatik: Wiederholung der Satzlehre. Direkte und indirekte Rede. Übungen im Disponieren.

Themata der Aufsätze: 1. Die Schätze des Meeres. 2. Welche Mittel zur Bekleidung liefert uns das Tierreich? 3. Das Erwachen der Natur im Frühlinge oder: Gedanken beim Anblick eines Auswandererschiffes im Anschluss an „die Auswanderer" v. Freiligrath. 4. Siegfrieds Schwert. 5. Das griechische Theater. Beschreibung nach dem Gedicht von Schiller: Die Kraniche des Ibykus. 6. Das Wellrad und seine Verbindungen. 7. Erfindung, Bereitung und Verwendung des Glases

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

(Prüfungsarbeit). 8. Die Einweihung des neuen Realschulgebäudes. 9. Einrichtung und Gebrauch der Feuerspritze. 10. Nutzen und Schaden des Feuers (Klassenarbeit). 11. Mit des Geschickes Mächten ist kein ew'ger Bund zu flechten. 12. Die Kohlensäure im Kreislaufe der Natur. 13. Gedankengang des Gedichtes „die drei Indianer" v. Lenau. 14. Prüfungsarbeit.

**Französisch.** Zander. Plötz-Kares, Schulgrammatik. Abschnitt IV—VI. Formenlehre des Haupt-, Eigenschafts-, Umstands- und Zahlwortes. Wortstellung. Syntax des Zeitwortes. Wiederholungen aus den Abschnitten I—III. — Lektüre: Bretschneider, Francinet par Bruno. — Sprechübungen im Anschluss an die Lektüre. — Aller zwei Wochen eine schriftliche Arbeit.

**Englisch.** Zander. Grammatik: Deutschbein, Lehrgang (Ausgabe B) Abschnitt I und II. — Lektüre der dazu gehörigen Lesestücke. — Sprechübungen im Anschluss an die Lektüre. — Deklamationen. Wöchentlich eine schriftliche Arbeit.

**Geographie.** Agsten. Die ausserdeutschen Staaten Europas in erweiterter Darstellung.

**Geschichte.** Brandt. Neuere Geschichte bis zum Ausbruch der grossen französischen Revolution. Wiederholungen aus der Geschichte des Mittelalters.

**Naturbeschreibung.** Agsten. Sommerhalbjahr: Anatomie und Physiologie der Pflanzen. Kryptogamen. — Winterhalbjahr: Mineralogie und Krystallographie.

**Physik.** Saupe. Allgemeine Eigenschaften. Wirkungen der Molekularkräfte. Schwerpunkt. Einfache Maschinen. Druck und Bewegung der Flüssigkeiten. Druck der Luft. — Lehre vom Schall. — Fortpflanzung, Zurückwerfung, Zerstreuung und Brechung des Lichtes. — Wirkungen der Wärme. Fortpflanzung derselben durch Leitung, Strömung und Strahlung. — Magnetische und elektrische Grunderscheinungen.

**Chemie.** Saupe. Die hauptsächlichsten Grundstoffe und ihre wichtigsten Verbindungen mit Sauerstoff, Schwefel und Chlor. Reduktionen. Atomlehre. — Berechnungen von Gewichts- und Raumverhältnissen chemischer Reaktionen.

**Rechnen.** Winkler. Zins-, Diskont-, Termin-, Gesellschafts- und Effektenrechnung. — Aller drei Wochen eine schriftliche Arbeit.

**Algebra.** Saupe. Brüche mit zusammengesetzten Zählern und Nennern. Verhältnisse und Proportionen. Potenzen mit ganzen positiven Exponenten. Gleichungen des ersten Grades mit einer und mit 2 Unbekannten. — Angewandte Gleichungen. — Quadrat- und Kubikwurzeln. — Aller drei Wochen eine Haus- oder eine Klassenarbeit.

**Geometrie.** Saupe. Gleichheit und Änlichkeit der geradlinigen Figuren. Linien und Winkel des Kreises. — Aller drei Wochen eine Haus- oder eine Klassenarbeit.

**Geometr. Zeichnen.** Th. Herrmann. Konstruktion ebener Kurven. Darstellung des Grund- und Aufrisses von Linien doppelter Krümmung und einfachen Körpern. Netzkonstruktionen.

**Freihandzeichnen.** Weller. Skizzierübungen nach „Thieme" und nach der Natur. Strich-Tuschmanier. Pflanzen und Vögel nach der Natur.

**Stenographie.** Granz. Vor- und Nachsilben. Sigel. Wort- und Satzkürzung.

**Latein.** Kümmel. Siehe Kl. I.

## Klasse III.

Klassenlehrer: Oberlehrer Dr. Granz.

**Religion.** Winkler. Wiederholung des Katechismus. Eingehende Erklärung des ersten

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

Hauptstücks und des ersten Artikels. Einführung in die heilige Schrift. Gelesen und erklärt wurden ausgewählte Abschnitte aus den drei ersten Evangelien. Auswendiglernen zugehöriger Sprüche und Kirchenlieder. Das Kirchenjahr.

**Deutsch.** M. Herrmann. Lesen, mündliches und schriftliches Nacherzählen und Disponieren von Prosastücken und Gedichten aus dem Döbelner Lesebuche. Teil IV. — Deklamieren. — Grammatik: Satzlehre nach dem Handbuche von Lyon.

Themata der Aufsätze: 1. Ein Regentropfen schildert seine Reise. (Klassenarbeit). 2. Ein Tag aus dem Leben einer Katze. 3. Ein Stündchen am Ährenfeld. 4. Die Kreuzschau. 5. Eine Klostergründung im 10. Jahrhundert. (Prüfungsarbeit). 6. Der Handschuh. 7. Die Charybde. 8. Schwert und Pflug. 9. Eine Reiherbeize. (Klassenarbeit). 10. Keine Rose ohne Dornen. 11. Der Marktplatz einer Stadt im Mittelalter. 12. Prüfungsarbeit. — Ausserdem mehrfach kleinere schriftliche Arbeiten.

**Französisch.** Granz. Schulgrammatik von Plötz-Kares, Lektion 1—30: Lautregeln. Die Hauptkonjugationen. Die Nebenkonjugationen. Einteilung der Verben und Gebrauch der Hilfsverben. — Wöchentlich eine schriftliche Übung. — Lektüre: Le tour de la France (G. Bruno). Deklamationen. Sprechübungen.

**Englisch.** Granz. Grammatik: Deutschbein, Lehrgang, Ausg. B, Lekt. 1—26. Methodische Leselehre, einfache und erweiterte Formenlehre. Schwache Konjugation und Hilfszeitwörter. Eigenschafts-, Haupt-, Für- und Zahlwort. — Lectüre der dazu gehörigen Lesestücke, von denen die poetischen gelernt wurden. — Sprechübungen. — Wöchentlich eine schriftliche Übung.

**Geographie.** Agsten. Oberfläche und Bewässerung Mitteleuropas. Politische Geographie des deutschen Reiches.

**Geschichte.** M. Herrmann. Des weströmischen Reiches Untergang. Gründung deutscher Reiche am Anfange und im Verlaufe des Mittelalters. Deutsche Geschichte bis Maximilian I.

**Naturbeschreibung.** Th. Herrmann. Sommerhalbjahr: Übungen im Pflanzenbestimmen. Das natürliche Pflanzensystem. Ausländische Kulturpflanzen. — Winterhalbjahr: Bau und Leben des menschlichen Körpers. Abweichungen am Wirbeltierkörper.

**Rechnen.** Th. Hermann. Prozent-, Zins- und Diskontrechnung. — Aller drei Wochen eine schriftliche Arbeit.

**Algebra.** Th. Herrmann. Allgemeine Vorbegriffe. Gebrauch der Vorzeichen und Klammern. Die vier Spezies in Buchstaben. Leichte Gleichungen des ersten Grades mit einer Unbekannten. — Aller drei Wochen eine schriftliche Arbeit.

**Geometrie.** Th. Herrmann. Kongruenz der Vier- und Vielecke. — Flächenvergleichung. Verwandlung, Teilung, Berechnung der Figuren. — Lehrsatz des Pythagoras. — Aller drei Wochen eine schriftliche Arbeit.

**Zeichnen.** Weller. Perspektivische Ansichten von geometrischen Figuren, kleinen Flächenmustern und regelmässigen Körpern. Licht- und Schattengesetze. Kleine Skizzen aus Thiemes Lehrgang nach der Natur. (Strich- und Tuschmanier).

**Latein.** Sommerhalbjahr Kümmel, Winterhalbjahr M. Herrmann. Syntax nach dem Lehrbuch für Quarta. — Lektüre: Lesebuch von Ostermann.

**Stenographie.** Th. Herrmann. Laut- und Wortschreiblehre. Vor- und Nachsilben. Sigel.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

## Klasse IV.

Klassenlehrer: Oberlehrer Winkler.

**Religion.** Winkler. Die biblischen Geschichten des Alten und Neuen Testaments mit Berücksichtigung der Geographie Palästinas. — Erklärung und Einübung des 3., 4. und 5. Hauptstücks, sowie des Lehrstücks von der Beichte und vom Amt der Schlüssel. — Auswendiglernen zugehöriger Sprüche und Kirchenlieder.

**Deutsch.** Winkler. Die einzelnen Wortklassen mit besonderer Berücksichtigung der Pronomina, Präpositionen und Konjunktionen. Der zusammengesetzte Satz. Subjekt-, Objekt-, Attribut- und Adverbialsätze. Regeln über Rechtschreibung und Interpunktion. — Lesen und mündliches und schriftliches Nacherzählen von Prosastücken und Gedichten aus dem Lesebuche, Teil III. Übungen im Disponieren. — Deklamation der gelernten Gedichte. — Aller 14 Tage ein Diktat, aller drei Wochen ein Aufsatz.

**Französisch.** Granz. Grammatik. Fürwort und Zeitwort. Abschluss der regelmässigen Formenlehre. — Lektüre: Elementarbuch von Plötz (Ausg. C). Lesestücke 30—63. Einprägung der dazu gehörigen Wörter. — Sprechübungen im Anschluss an die Lektüre. — Deklamation. — Wöchentlich eine schriftliche Arbeit.

**Geographie.** Kümmel. Das Wichtigste aus der allgemeinen Geographie. Die aussereuropäischen Erdteile.

**Geschichte.** Winkler. Überblick über die Geschichte der orient. Völker; griech. und röm. Geschichte.

**Naturbeschreibung.** Th. Herrmann. Sommerhalbjahr: Übungen im Bestimmen nach der Flora von Wünsche. Übersicht über die Morphologie der Pflanzen. Winterhalbjahr: Die wirbellosen Tiere.

**Rechnen.** Winkler. Wiederholung des Pensums der Kl. V. Verwandlung gemeiner Brüche in Dezimalbrüche und umgekehrt. Abgekürztes Rechnen mit Dezimalbrüchen. Einfache und zusammengesetzte Regel de tri. Kettenregel. — Aller 14 Tage eine häusliche Arbeit. Extemporalien.

**Geometrie.** Th. Herrmann. Die geometrischen Grundbegriffe. Lehre von den Linien und Winkeln. Das Dreieck. Die Kongruenzsätze. Übungen im geometrischen Konstruieren.

**Zeichnen.** Weller. Spiral- und Schneckenlinie. Blätter und Blumen nach der Natur. Modern stilisierte Blumen nach „Godron". Farbige Flachornamente nach den wichtigsten Stilarten.

## Klasse V.

Klassenlehrer: Oberlehrer Agsten.

**Religion.** Bauer. Biblische Geschichte des Neuen Testaments bis zum Pfingstwunder (mit Geographie Palästinas). — Zweites Hauptstück mit den vorgeschriebenen Sprüchen. Erklären und Lernen von Kirchenliedern. Allgemeine Beichte. Morgen- und Abendsegen.

**Deutsch.** Agsten. Wiederholung und Erweiterung der regelmässigen Formenlehre. — Übungen im Lesen und Vortragen. — Aller 2 Wochen ein Aufsatz. — Jede Woche ein

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

Diktat oder eine Hausarbeit zur Einübung der Rechtschreibung, Satzzeichensetzung und Sprachlehre.

**Französisch.** Granz. Grammatik: Hauptwort, Eigenschaftswort, Zahlwort, Zeitwort: avoir und être, einfache und zusammengesetzte Zeiten der 1. Konjugation, das verbundene persönliche Fürwort. — Behandlung der Lesestücke 1—30 des Elementarbuches von Plötz (Ausgabe C). Lernen der dazu gehörigen Wörter. — Sprechübungen im Anschluss an die Lektüre. — Deklamationen. — Wöchentlich eine schriftliche Übung.

**Geographie.** Agsten. Die Länder Europas mit Ausnahme des Deutschen Reiches.

**Geschichte.** Sommerhalbjahr: M. Herrmann, Winterhalbjahr: Kümmel. Bilder aus der deutschen Geschichte des Mittelalters und der Neuzeit.

**Naturbeschreibung.** Agsten. Sommerhalbjahr: Beschreiben lebender Pflanzen. Erweiterung der in der Klasse VI gewonnenen morphologischen und biologischen Kenntnisse. Winterhalbjahr: Die Wirbeltiere.

**Rechnen.** Agsten. Die vier Grundrechnungsarten mit gemeinen Brüchen und mit Dezimalbrüchen. Haus- und Klassenarbeiten.

**Zeichnen.** Weller. Zusammenstellung kreis-, oval-, ellipsen- und wellenförmiger Linien zu Centralornamenten und Bordüren. Verschiedene Motive aus Thiemes Lehrgang nach ihren Erkenntnisformen, Schönheitsformen und Lebensformen. Verwendung der Lasur- und Deckfarben.

## Klasse VI.

Klassenlehrer: Wiss. Hilfslehrer cand. rev. min. Grosse.

**Religion.** Grosse. Biblische Geschichte des alten Testaments (mit Geographie Kanaans). — Erklärung und Auswendiglernen des ersten Hauptstücks mit den vorgeschriebenen Sprüchen. Erklären und Lernen von Kirchenliedern. Text des Glaubens und des Vater Unser.

**Deutsch.** Grosse. Übung der Lesefertigkeit, Wiedererzählung. Lernen von Gedichten. — Wortarten und Wörterklassen. Deklination und Konjugation. Satzlehre. Der einfache Satz. — Haupt- und Nebensatz. — Hauptregeln der Rechtschreibung und der Satzzeichensetzung. — Diktate wöchentlich, Aufsätze aller 2 Wochen.

**Geographie.** Grosse. Entwicklung der geographischen Grundbegriffe an der Hand der Orts- und Heimatskunde. Sachsen in ausführlicher, Deutschland in übersichtlicher Darstellung. Überblick über Europa und das Erdganze. — Kartenlesen.

**Geschichte.** Grosse. Alte Geschichte in Geschichtsbildern.

**Naturbeschreibung.** Th. Herrmann. Sommerhalbjahr: Ausbildung der morphologischen Grundbegriffe durch Anschauung und Beschreibung lebender Pflanzen. — Winterhalbjahr: Vertreter aus allen Klassen der Wirbeltiere.

**Rechnen.** Grosse. Befestigung der vier Grundrechnungsarten in unbenannten und benannten ganzen Zahlen. — Münzen, Masse und Gewicht. Zeitrechnung. — Kopfrechnen. — Hausarbeiten wöchentlich. Klassenarbeiten.

**Zeichnen.** Weller. Gerade Linien in verschiedener Richtung, Mäanderzüge, Quadrate, Acht-

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

ecke, Dreiecke, Sechsecke, geradlinige Ornamente geometrisch und freihändig. Verwendung einiger Farben.

## Progymnasium.

### Quarta.

Klassenlehrer: Oberlehrer cand. rev. min. Bauer.

**Religion.** Winkler. Abschluss der biblischen Geschichte durch Wiederholung und Ergänzung des Pensums der Sexta und Quinta. Erklärt und gelernt wurde das dritte Hauptstück. Auswendiglernen zugehöriger Sprüche und Kirchenlieder. Das Kirchenjahr.

**Deutsch.** Bauer. Grammatik: Wiederholung der grammatischen Pensa von Sexta und Quinta. Abriss der Satzlehre. Rechtschreibung, Zeichensetzung. — Lese- und Vortragsübungen. Erklärung des Gelesenen. Aufsuchen der Disposition, kurze Inhaltsangaben. Deklamieren (10 Gedichte wurden gelernt). — Aller 3 Wochen ein Aufsatz. Einige Diktate.

**Latein.** Brandt. Grammatik: Wiederholung der gesamten Formenlehre. Das Wesentlichste aus der Syntax mit besonderer Berücksichtigung der Kasuslehre. — Auswendiglernen der Musterbeispiele im Übungsbuche, sowie von Vokabeln und einer Anzahl der gebräuchlichsten Phrasen im Anschluss an die Lektüre. — Mündliches Übersetzen aus dem Deutschen. — Haus- und Klassenarbeiten wöchentlich abwechselnd. — Lektüre: Lesebuch: Pericles, Alcibiades, Lysander, Thrasybulus, der erste Punische Krieg, Hamilkar, Hannibal, Q. Fabius Maximus, der ältere P. Cornelius Scipio, der dritte Punische Krieg.

**Französisch.** Bauer. Einübung des in der Elementargrammatik von Plötz, Lect. 1—105, gegebenen Stoffes. Einiges aus der Syntax im Anschluss an die Lektüre. — Mündliches und schriftliches Übersetzen aus Plötz. — Auswendiglernen der erforderlichen Vokabeln. Hör- und Sprechübungen. — Haus- und Klassenarbeiten wöchentlich abwechselnd.

**Geographie.** Bauer. Das Erdganze. Das Nötigste über die Bewegung der Erde und des Mondes. Übersicht über die aussereuropäischen Erdteile. Wiederholung: Deutschland.

**Geschichte.** Bauer. Wiederholung der alten Geschichte, Überblick über die Geschichte des Mittelalters. Neuere Geschichte bis zum Ende des dreissigjährigen Krieges. Hauslektüre: Sächsische Geschichte.

**Naturbeschreibung.** Agsten. Sommerhalbjahr: Das natürliche Pflanzensystem. Übungen im Bestimmen nach der Flora von Wünsche. Einiges aus der Biologie. Winterhalbjahr: Die wirbellosen Tiere.

**Rechnen.** Winkler. Wiederholung des Pensums der Quinta. Einfache und zusammengesetzte Regel de tri. Gesellschaftsrechnung. Prozent- und Zinsrechnung. Wiederholung der gemeinen Arithmetik. — Aller 4 Wochen eine Hausarbeit. Extemporalien.

**Geometrie.** Winkler. Entwicklung der einfachsten stereometrischen und planimetrischen Begriffe. Rechen-, Mess- und Zeichenübungen.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

## Quinta.

Klassenlehrer: Oberlehrer Kümmel.

**Religion.** Bauer. Stoff wie in VR. Ausserdem: Übersicht über den Inhalt der Apostelgeschichte.

**Deutsch.** Kümmel. Wiederholung und Erweiterung der Formen- und Satzlehre, der Regeln der Rechtschreibung und Satzzeichensetzung. — Lese- und Vortragsübungen. Aufsätze und Diktate.

**Latein.** Kümmel. Eingehende Wiederholung, Ergänzung und Erweiterung der regelmässigen Formenlehre. Deponentia. Unregelmässige Formenlehre. — Praepositionen. Orts- und Zeitbestimmungen. Stamm- und abgeleitete Adverbia. — Accus. c. inf., partic. conj. und abl. abs. Lernen der Wörterverbindungen und Redensarten im Anhange des Übungsbuches. — Haus- und Klassenarbeiten.

**Geographie.** Kümmel. Das Wichtigste aus der allgem. Geographie. Europa, bes. Deutschland. Überblick über das Erdganze.

**Geschichte.** Kümmel. Geschichte des Mittelalters. — Wiederholung der Geschichte des Altertums.

**Naturbeschreibung.** Th. Herrmann. Sommer: Beschreiben lebender Pflanzen. Erweiterung der morphologischen und biologischen Kenntnisse. Winter: Übersicht über die Wirbeltiere.

**Rechnen.** Th. Herrmann. Die vier Grundrechnungsarten mit gemeinen Brüchen und Dezimalbrüchen. — Aller zwei Wochen eine Haus- oder Klassenarbeit.

**Zeichnen.** Weller. Stoff wie in VR.

## Sexta.

Klassenlehrer: Oberlehrer Dr. M. Herrmann.

**Religion.** Siehe Kl. VI R.

**Deutsch.** M. Herrmann. Besprechung kleiner Gedichte und Prosastücke. Übungen im Lesen und Nacherzählen und im Vortragen von Gedichten. — Hauptregeln der Rechtschreibung und Zeichensetzung. — Das Nötigste über die Wortarten und Satzteile, über den einfachen Satz, Haupt- und Nebensatz. — Wöchentlich abwechselnd Diktate und Aufsätze.

**Latein.** M. Herrmann. Die regelmässigen Deklinationen, Komparationen, esse und composita, Pronomina, Cardinal- und Ordinalzahlen, die regelmässigen Konjugationen (ohne Deponentia). — Übersetzungsübungen. — Haus- und Klassenarbeiten wöchentlich abwechselnd.

**Geographie.** M. Herrmann. Grundbegriffe der Erdkunde. Orts- und Heimatskunde; Sachsen ausführlich, Deutschland übersichtlich. Überblicke über Europa und das Erdganze. — Kartenlesen.

**Geschichte.** M. Herrmann. Bilder aus der Geschichte des Altertums.

**Naturbeschreibung.** Siehe Kl. VI R.

**Rechnen.** Siehe Kl. VI R.

**Zeichnen.** Siehe Kl. VI R.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

**Schreiben** Kl. VI. Grosse, im übrigen Weller. Vereinigt sind Kl. VI R. mit VI P., Kl. V R. mit V P.; Kl. VI R. hat noch eine Schreibstunde besonders.

Ausserdem ist für einzelne Schüler der Kl. I, II, III, IV P. eine Sammelschreibstunde eingerichtet. Fachlehrer, Klassenlehrer und Direktor bestimmen bei Beginn jedes Halbjahres in gemeinsamer Beratung, für welche Schüler die Teilnahme verbindlich sein soll; Freiwillige werden ohne weiteres zugelassen.

**Gesang.** Weller. Im Klassensingen sind vereinigt Kl. VI R mit VI P, Kl. V R. mit V P.

Stimmbildungs- und Treffübungen, Choräle und Volkslieder ein-, auch zwei- und dreistimmig.

Im Chorsingen, in dem die stimmbegabten Schüler aller Klassen vereinigt sind, dreistimmige Lieder und Gesänge für Schulfeierlichkeiten.

**Turnen.** Die 9 Klassen der Schule werden in 6 Abteilungen unterrichtet: Kl. I u. II, V R. u. V P, VI R. u. VI P sind vereinigt.

Abt. I–V Weller, Abt. VI Grosse.

# III. Lehrmittel.

## 1. Lehrerbibliothek.

Geschenke:

Von der Direktion des Kön. sächs. meteorologischen Instituts in Chemnitz: Jahrbuch 1897 Abt. I u. II. — Abhandlungen Heft 3: Paul Schreiber, Studien über Luftbewegungen.

Von der Handels- und Gewerbekammer zu Dresden: Bericht 1898.

Vom Direktorium der Gehe-Stiftung: 3. Bd. des Kataloges der Stiftungsbibliothek.

Vom Stadtrat zu Grimma:

Druckluftanlage zur Kanalisation und Wasserversorgung im Terrain der Berliner Gewerbeausstellung 1896. Projekt und Ausführung von Erich Merten u. Co.

Jahrbuch über Volks- und Jugendspiele. Hrsg. von v. Schenckendorf und Schmidt 1893—1899.

Vom Unterzeichneten: Beilage zur Allgemeinen (Münchener) Zeitung. Jahrg. 1890—1898.

Anschaffungen:

Deutsches Wörterbuch von J. und W. Grimm. Fortsetzung. — Neue Jahrbücher. Hrsg. von Ilberg und Richter. Jahrg. 1899. — Zeitschrift für lateinlose höh. Schulen. Hrsg. von Holzmüller. Jahrg. 1899. — Gymnasium. Hrsg. von Meyer und Wirmer. Jahrg. 1899. — Neues Archiv für sächs. Geschichte. Hrsg. von Ermisch. Bd. XX. — Rethwisch, Jahresberichte über das höh. Schulwesen. XIII. Jahrg. — Jahrbuch der Erfindungen. Hrsg. von Berberich-Bornemann-Müller. Jahrg. XXXV. — Stat. Jahrbuch der höh. Schulen Deutschlands. XX. Jahrg. — Klöpper, Englisches Reallexikon. Fortsetzung. — Klöpper, Französisches Reallexikon. Fortsetzung. — Mohan, Der Einfluss der Seemacht auf die Geschichte. Bd. II. — Horst Kohl, Fürst Bismarck-Gedenkbuch. — Otto Fürst von Bismarck, Gedanken und Erinnerungen. — Sachsen unter König Albert. Hrsg. vom Sächs. Volksschriften-Verlag. — Klussmann, Verzeichnis der Programmabhandlungen Bd. III. — Liman, Bismarckdenkwürdigkeiten. — Horst

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

Kohl, Wegweiser durch Bismarcks Gedanken und Erinnerungen. — Hassert, Deutschlands Kolonien. — Deutschland in seiner tiefen Erniedrigung. 1806. Neu aufgelegt 1899. — Kutzen-Steinecke, Das deutsche Land. — Wuttke, Sächs. Volkskunde. — Ill. Zeitung, Goethenummer. — Moritz Busch, Tagebuchblätter 3 Bde. — Arnold E. Berger, Martin Luther. — Bernheim, Geschichtsunterricht und Geschichtswissenschaft. — Brandl, Shakspere. — Rich. M. Meyer, Goethe. — Treitschke, Histor. u. polit. Aufsätze 4 Bde. – Friedjung, Der Kampf um die Vorherrschaft in Deutschland Bd. I. — Lange-Ellissen, Einleitung u. Kommentar zu Schillers philos. Gedichten. — Ludw. Bellermann, Schillers Dramen 2 Bde. — Theob. Ziegler, Die geistigen u. sozialen Strömungen des neunzehnten Jahrhunderts. — Georg Kaufmann, Polit. Geschichte Deutschlands im neunzehnten Jahrhundert. — O. Jäger, Geschichte des neunzehnten Jahrhunderts. — Schriften des General-Feldmarschalls Grafen Hellmuth von Moltke. Volksausgabe 3 Bde.

## 2. Schülerbibliotheken.

Geschenkt wurden vom Stadtverein für innere Mission zu Dresden 20 Abdrücke der Schrift: Friedrich der Weise, Kurfürst von Sachsen. Von diesen 20 Exemplaren sind 5 den Bibliotheken der 5 obersten Klassen (I—IV R., IV P.) zugeteilt worden; die übrigen 15 sollen, der Bestimmung des Stadtvereins gemäss, „innerhalb der nächsten 10 Jahre an sittlich und geistig tüchtige Schüler der obersten Klasse ausgehändigt werden.“

Anschaffungen:

Für Kl. I: Wychgram, Schiller, dem deutschen Volke dargestellt. — Rogge, Sedan-Büchlein.

Für Kl. II: v. Carlowitz, Auf dem Wege zur deutschen Einheit. Geschichtl. Erzählung. — Siegemund, Ein deutsches Dichterleben (Schiller). — Rogge, Sedan-Büchlein. — Ohorn, Aus Tagen deutscher Not. — Lienhard, Der Raub Strassburgs. — Gust. Freytag, Aus dem Staate Friedrichs d. Gr.

Für Kl. III. Höcker, Die Erfindung der Buchdruckerkunst. — Höcker, Ein deutscher Apostel. — Höcker, Wuotans Ende. — Höcker, Zwei Streiter des Herrn. — Höcker, Durch Kampf zum Frieden.

Für Kl. IV R: Höcker, Unter dem Joche der Cäsaren. — Höcker, Kaiser Friedrich. — Höcker, Die letzten Tage von Pompeji (nach Bulwer). — Lohmeyer, Jugendwege und Irrfahrten.

Für Kl. V R: Würdig, Kleine Bilder aus grosser Zeit. — Schmidt-Enderlein, Erzählungen aus Sage und Geschichte des Altertums usw. — Schwab, Die deutschen Volksbücher, bearb. von Seemann.

Für Kl. VI:

Geschenkt wurde vom Sextaner Neufeld: Meissner, Tropfen und Tröpflein.

Für Kl. IV P: Wildenradt, Johann von Renys, der Kampf um die Marienburg. — Haehnel, Aus deutscher Sage und Geschichte. — Ulbricht, Erzählungen aus der deutschen Geschichte. — Würdig, Das Buch vom deutschen Reichsfreiherrn von und zum Stein.

Für Kl. V P: Franz Hoffmann, Neuer deutscher Jugendfreund Bd. 49. — Gust. Schwab, Die schönsten Sagen des klass. Altertums, bearb. von Bertram Grimm.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

### 3. Lehrmittel für den Unterricht in Geschichte, Geographie und Naturbeschreibung.

Geschenke:

Von Herrn Baurat Köhler: Granulit mit Granaten aus dem Chemnitzthale.

Von Erich Lerscht (Kl. II): Tiroler Granat in Dodekaederform.

Von Ernst Graf (Kl. VP): 3 Paar Geweihe v. Damhirsch, 1 Geweihstange v. Edelhirsch.

Anschaffungen:

R. Kiepert, Wandkarte der deutschen Kolonien. — Gaebler, Wandkarte zu Schillers Jungfrau von Orleans. — Sütterlin, Plan von Paris. — R. Kiepert, polit. Karte von Deutschland. — Ausgestopfte Vögel: Fulica atra, Perdix cinerea, Vanellus cristatus, Pica vulgaris, Picus maior, Picus martius, Strix aluco, Nucifraga caryocatactes, Pandion haliaëtus, Alcedo ispida.

### 4. Lehrmittel für den Unterricht in Naturlehre.

Wasserluftpumpe nach Arzberger u. Zulkowsky. — Wasserstrahlgebläse. — Heliostat. — Chemische Gerätschaften.

### 5. Lehrmittel für den Zeichenunterricht.

Öttel, Aus Flur und Hain. 16 Vorlegeblätter. — Winther, Zweige und Ranken, 13 Tafeln.

---

## IV. Schulgelderlass, Prämien, Stiftungen.

Das Schulgeld ist erlassen worden: Zu einem Drittel 16, zur Hälfte 12, zu zwei Dritteln 2 Schülern.

Bücherprämien haben erhalten:

Max Philipp aus Grimma (Kl. I), Hermann Reichel aus Grimma (Kl. IVR), Kurt Tauchnitz aus Grimma (Kl. VR), Gerhard Burck aus Grimma (Kl. VIR), Georg Fraustadt aus Dahlen (Kl. IVP).

Im Genusse des Stipendiums aus der Wettinstiftung im Betrage von 30 Mark war Fritz Müller aus Grimma.

Die Abiturientenstiftung ist von den Abiturienten Mich. 1884 begründet worden. „Das erste Stipendium soll verteilt werden, sobald das Kapital die Höhe von 3000 M. erreicht hat.“ Das Vermögen ist bei der hiesigen Sparkasse angelegt (Einlagebücher Nr. 41892 und 49911).

| | |
|---|---|
| Betrag 31. Dez. 1898 | M. 1849.98 |
| Dazu Ostern 1899 Sammlung der Abiturienten: (Andreas, Gerlach, Herrmann, Hildebrandt, Kempin, Landgraf, Luja, Neufeld, Schneider, Singer, Wildenhain, Zeidler je 3 M., Koczura, Philipp, Uhlemann je 2 M.) | - 42.— |
| Zinsen bis 31. Dez. 1899 | - 56.21 |
| Betrag 31. Dez. 1899 | M. 1948.19 |

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

Die Jubiläumsstiftung ehemaliger Schüler[1]) ist bei Gelegenheit der Einweihung des neuen Gebäudes und der gleichzeitigen Feier des 25jährigen Bestehens der Anstalt begründet worden. Das Stammkapital ist bei der Vereinsbank zu Grimma (Rechnungsbuch Nr. 1870) angelegt und beträgt z. Z. 1260 Mark. Der fünfte Teil der Zinsen soll stets zum Kapital geschlagen, die übrigen Zinsen aber als Stipendium, und zwar als Geld- oder Bücherprämie, an würdige Schüler verliehen werden. Das Stipendium wird satzungsgemäss Weihnachten 1900 zum ersten Male zur Verteilung kommen.

# V. Mitteilungen an die Eltern.

Unsere Anstalt vereinigt in sich eine Realschule und ein Progymnasium.

Die Realschule besteht aus 6 aufsteigenden Klassen.

Über Zweck und Ziel der Realschulen sagt das Gesetz (Lehr- und Prüfungsordnung, Vorbemerkung):

„Die Realschulen sind Lehranstalten mit selbständigen Bildungszwecken, bestimmt, für den unmittelbaren Übergang in einen geschäftlichen Beruf eine über das Ziel der Volksschulen, wie sie dermalen bestehn, hinausgehende allgemeine Bildung zu vermitteln."

„Ihr Lehrziel entspricht dem der Untersekunda eines Realgymnasiums, sie erreichen aber dieses Ziel durch vorzugsweise Pflege des deutschen Unterrichts an Stelle des lateinischen, welcher wegfällt, und gewähren ihren als reif entlassenen Schülern in allen Unterrichtsfächern der Schule einen für den unmittelbaren Übergang in das praktische Leben geeigneten Abschluss."

Das Reifezeugnis einer sächsischen Realschule berechtigt:

I. Zum einjährig-freiwilligen Militärdienst.

II. Zum Besuche der höheren Gewerbschule in Chemnitz (wer jedoch im Deutschen oder in Mathematik eine Zensur unter IIb hat, kann zur Aufnahmeprüfung herangezogen werden).

Bem. Über die Vorbildung für die höhere Gewerbschule zu Chemnitz heisst es im Jahresbericht der Technischen Staatslehranstalten in Chemnitz, Ostern 1894 S. 8: „Was die Schüler der höheren Gewerbschule anlangt, so dürfte als beste Vorbildung für sie der Besuch und die Absolvierung der Realschule zu betrachten sein; die aus der Untersekunda des Gymnasiums und Realgymnasiums mit dem Freiwilligenzeugnis in unsere Schule übertretenden Schüler bilden erfahrungsgemäss meist ein minderwertiges Material.

---

[1]) Der Ausschuss ehemaliger Schüler bittet die Spender, aus Gründen der Ersparnis von weiterer Benachrichtigung absehen und sich der Rechnungsablegung in folgendem entledigen zu dürfen.

„Auf das vom Ausschuss ehemaliger Schüler der Realschule und des Progymnasiums Mitte August 1899 erlassene Rundschreiben sind von 415 ehemaligen Schülern

| | | |
|---|---|---|
| | M. 2518.54 | eingegangen. |
| Dazu | - 13.75 | Zinsen bis 31. Dez. 1899 |
| Sa. | M. 2532.29 | |
| Nach Abzug der Unkosten im Betrage von | - 137.29 | |
| verblieben | M. 2595.— | wovon |
| | - 1135.— | zum Ankauf einer Büste Kaiser Wilhelms I. von Begas in echter Bronze nebst einer geschnitzten Säule aus Eichenholz verwendet wurden, sodass |
| | - 1260.— | als Stipendiums-Stiftungskapital übrig blieben. |

Die Abrechnung des Kassenwartes, Herrn Buchhändlers Gensel, ist vom Ausschuss geprüft und für richtig befunden sämtliche Akten nebst der Stiftungsurkunde sind dem Schularchive überwiesen worden."

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

Für den Eintritt in die Gewerbschule wird eine praktische Vorbildung zwar nicht verlangt, eine solche ist indessen dringend auzuraten. Da das Abgangsalter der Realschüler durchschnittlich 16 Jahre ist, so würde nach zwei- (mindestens) bis dreijähriger, praktischer Lehrzeit der Eintritt in unsere Schule mit dem 18. bis 19. Jahre erfolgen können, also die Entlassung mit ca. 22 Jahren. Rechnet man dann noch 1 Jahr Militärdienstzeit, so könnte der Eintritt in die Praxis mit dem 23. Jahre erfolgen, also jedenfalls noch früh genug."

III. Zum prüfungsfreien Eintritt in die Königlichen Baugewerkenschulen, wenn eine wenigstens halbjährige praktische Beschäftigung in einem Baugewerke nachgewiesen werden kann.

IV. Zur Feldmesserprüfung.

V. Zum Eintritt in die Apothekerlaufbahn (mit Nachprüfung im Latein an einem Realgymnasium).

VI. Zur Zahlmeisterlaufbahn im Landheer (ausser dem Freiwilligenjahr ist noch ein Jahr als Unteroffizier zu dienen, die weitere Ausbildung erfolgt bei einem Zahlmeister und bei der Intendantur).

VII. Zum Eintritt in die mittlere Beamtenlaufbahn im Staatsdienst,

A) im Anstellungsbereiche des Ministeriums des Innern
zur Assistenten- und Sekretärprüfung,

B) im Anstellungsbereiche des Justizministeriums
zur Assistenten- und Sekretärprüfung,

C) im Geschäftsbereiche des Ministeriums des Kultus und öffentlichen Unterrichts
zur Assistenten- und Sekretärprüfung,

D) im Bereiche des Finanzministeriums

1. zur Assistentenprüfung
   a) bei der Verwaltung der direkten Steuern (Bezirkssteuereinnahmen),
   b) bei der Vortragskanzlei und den übrigen Dependenzen des Finanzministeriums,
   c) bei der Land-, Landeskultur- und Altersrentenbank,
   d) bei der Landeslotterie und Lotterie-Darlehnskasse,
   e) bei der fiskalischen Bau- und Forstverwaltung,
   f) bei der Verwaltung der Staatsschulden,
   g) bei der Berg- und Hüttenverwaltung (d. i. Bergamt, Hauptbergkasse, Kgl. Steinkohlenwerke, Kgl. Erzbergwerke, Kgl. Hütten, Kgl. Blaufarbenwerke, Kgl. Porzellanmanufaktur, Bergakademie) für das weder technisch noch kaufmännisch vorgebildete Bureaupersonal,

   (zur Sekretärprüfung ist bei den Behörden a—d, f und g Dispens nötig; e hat keine Sekretärprüfung)

2. zur Assistenten- und Sekretärprüfung
   h) bei der Staatseisenbahn-Verwaltung
   zur Prüfung für Stationsassistenten II. und I. Klasse, Bureauassistenten, Betriebssekretäre und Kassenassistenten.

   Bem. Die Stationsassistenten I. Klasse haben Aussicht auf die Stellen von Fahrkartenverkäufern, Güterkassierern, Bahnhofsinspektoren II. und I. Klasse, Güterverwaltern II. und I. Klasse. Die Betriebssekretäre können zu Eisenbahnsekretären, Bureauvorständen, Hauptkassierern ansteigen.

E) im Geschäftsbereiche des Gesamtministeriums
zur Assistenten- und Sekretärprüfung.

VIII. Zum prüfungsfreien Eintritt als Postgehülfe.

IX. a) Zum Besuche des einjährigen fachwissenschaftlichen Kursus an der öffentlichen Handelslehranstalt in Leipzig,

b) zum Besuche des zweijährigen Fachkursus der höheren Handelsschule an der öffentlichen Handelslehranstalt der „Dresdener Kaufmannschaft".

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

Der erfolgreiche Besuch der III. Realschulklasse berechtigt:

I. Zum Besuche der Königl Akademie der bildenden Künste.

II. Zum Besuche der Dresdner Gartenbauschule des Gartenbauverbandes für das Königreich Sachsen, wenn der Aufzunehmende als Hauptzensur wenigstens III hat und zugleich das Lehrzeugnis beibringen kann über eine wenigstens zweijährige ununterbrochene und erfolgreiche Lehrzeit in einer geeigneten Gärtnerei.

Das Progymnasium besteht aus drei aufsteigenden Klassen, die nach den Bestimmungen für Gymnasien eingerichtet sind, also den Gymnasialklassen: Sexta, Quinta, Quarta entsprechen.

Diejenigen Progymnasiasten, welche nicht auf ein Gymnasium, sondern auf die Realschule übergehen sollen, ist Gelegenheit geboten, Latein in dem Umfange weiter zu treiben, wie ihn die Bestimmungen für die Realgymnasien vorschreiben. Es kann also auf unserer Realschule auch in diesem Fache die Reife für die Obersekunda des Realgymnasiums erlangt werden. Zur Vermeidung etwaiger Überbürdung müssen die Latein treibenden Realschüler auf die Teilnahme an dem gleichfalls fakultativen Unterrichte in der Stenographie verzichten.

Zur Aufnahme in die unterste Klasse der Realschule wie des Progymnasiums genügt in Bezug auf das Alter das erfüllte neunte Lebensjahr. Als Vorbildung müssen die in diese Klasse aufzunehmenden Knaben diejenigen Kenntnisse und Fertigkeiten besitzen, die ein fleissiger und begabter Schüler sich durch den dreijährigen Besuch einer guten Bürgerschule erwirbt.

Hierzu sei folgendes bemerkt. Die Realklasse VI hat drei wöchentliche Unterrichtsstunden weniger als die VI Prog. In ihr wird noch keine fremde Sprache getrieben, wogegen das Deutsche mit 8 wöchentlichen Stunden bedacht ist. Die Anforderungen, die an die Schüler dieser Klasse in Bezug auf die häusliche Thätigkeit gestellt werden, sind äusserst gering, so dass, wofern die Eltern das wünschen, weitgehende Kürzungen der für die Schüler der andern Klassen verbindlichen Arbeitsstunden gewährt werden können. Somit dürfte diese Klasse einen geeigneten Übergang von der Bürgerschule zum Progymnasium bilden. Es ist also denjenigen Eltern, die ihren Sohn dem Progymnasium übergeben wollen, ihm aber noch nicht die Anstrengungen zumuten mögen, welche die vermehrte Stundenzahl und der Betrieb des Lateinischen erfordern, anzuraten, ihn zunächst in die VI R eintreten zu lassen. Hat er diese Klasse durchgemacht, dann kann ihm der Übergang in die VI Prog. und das Fortkommen in dieser Klasse nicht schwer fallen. Der ausgiebige Unterricht im Deutschen soll die Schüler „nicht nur zum korrekten mündlichen und schriftlichen Gebrauche der Muttersprache führen, sondern ihnen auch eine Vorbereitung auf den fremdsprachlichen Unterricht gewähren". (§ 9 der Lehr- und Prüfungsordnung für Realschulen). Es wird also der Besuch der Klasse VI R mit ihrem reichlichen Unterricht im Deutschen dem künftigen Lateiner die Erlernung des Lateinischen in VI Prog. ebenso erleichtern wie dem Nichtlateiner die des Französischen in V R.

§ 6 und 7 der vom Kön. Ministerium des Kultus und öff. Unterrichts genehmigten Schulordnung lauten:

§ 6.

Auswärts wohnende Eltern oder ihre Stellvertreter haben für die zu wählende Pension vorher die Genehmigung des Direktors einzuholen, ohne dessen Zustimmung auch kein Wechsel der Pension stattfinden darf.

§ 7.

Die Pensionshalter vertreten der Schule gegenüber die Stelle der Eltern und übernehmen die

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

Verpflichtung, über das Betragen der ihnen anvertrauten Schüler zu wachen und sie zur gewissenhaften Beobachtung der Schulgesetze anznhalten. Kommen sie diesen Verpflichtungen nicht nach, so kann die Schule das fernere Verbleiben der betreffenden Schüler in der Pension untersagen.

Der Klassenlehrer ist berechtigt, sich von dem Fleiss und Verhalten der Schüler seiner Klasse in ihren Pensionswohnungen persönlich zu überzeugen.

Aus § 7 ergiebt sich, dass die Aufsicht über die Pensionen nur den Zweck verfolgt, die Schüler vor schädigenden Einflüssen möglichst zu bewahren. Im übrigen ist es Sache der Eltern, sich die für ihren Sohn geeignet erscheinende Pension selbst auszuwählen; dass gewünschtenfalls der unterzeichnete Direktor gern bereit sein wird, Auskunft und Rat zu erteilen, braucht wohl nicht erst versichert zu werden. Es sei nur für die mit den hiesigen Verhältnissen Unbekannten noch bemerkt, dass es hierorts gute Pensionen in grosser Zahl giebt. Der Pensionspreis ist natürlich verschieden; im Durchschnitt dürfte er 450—500 M. betragen.

§ 8 der Schulordnung hat eine Abänderung erfahren. An Eintrittsgeld und Abgangsgebühr ist 5 Mark, für Schuldgeld jährlich 120 Mark zu entrichten.

Gesuche um teilweisen Erlass des Schulgeldes sind 4 Wochen nach Beginn des Schuljahres an den Stadtrat zu richten; auch Auswärtige werden berücksichtigt. Vgl. S. 22. IV.

Nach § 31 der Schulordnung ist den Schülern alles Schuldenmachen strengstens untersagt. Die Eltern werden dringend ersucht, falls sie ihren Söhnen bei Geschäftsleuten der Stadt Kredit eröffnen, diesen genau zu bestimmen und seine Ausnützung streng zu überwachen, ingleichen das Taschengeld nicht zu hoch zu bemessen.

Nach § 32 der Schulordnung hat der Schüler dem Direktor über alle Privatstunden, welche er nehmen will, zuvor Mitteilung zu machen. Den Eltern sei es jedoch — über diese Verpflichtung der Schule gegenüber hinaus — dringend ans Herz gelegt, ehe sie sich entschliessen, ihren Söhnen in einem Lehrfache der Schule Privatunterricht erteilen zu lassen, mit dem Klassenlehrer oder dem Direktor sich darüber zu beraten. Es ist ja möglich, dass in einzelnen Fällen zeitweiser Privatunterricht förderlich, ja notwendig ist; besonders bei Schülern, die unsere Schule nicht von unten auf durchgemacht haben, sind nicht selten, namentlich im Lateinischen, Lücken auszufüllen; im allgemeinen jedoch ist vor Privatunterricht in den Schulfächern zu warnen. Geradezu schädlich wird in den meisten Fällen der sog. Nachhilfeunterricht wirken, indem er den Knaben gewöhnt, sich mehr auf die häusliche Hilfe, als auf die eigene rege Teilnahme am Unterricht zu verlassen. Etwas anderes ist es mit der beaufsichtigten Arbeitsstunde, in welcher der Knabe, der dessen bedarf, dazu gezwungen wird, in der zur Arbeit angesetzten Zeit seine Aufgaben in jeder Beziehung möglichst gut zu erledigen und wo dem noch Ungeschickten hie und da Anweisung gegeben wird, wie er die Sache anzufassen hat. Diese Art der Beihilfe ist willkommen, beileibe aber nicht eine solche, die dem Schüler die Arbeit ganz oder zum Teile abnimmt.

Wie bisher wird auch im nächsten Sommer den Schülern Gelegenheit geboten sein, kunstgerecht schwimmen zu lernen.

Schliesslich sei die Bemerkung gestattet, dass aus oberflächlichen Mitteilungen der Schüler, die ja doch ein volles Verständnis für das Verfahren ihrer Lehrer vielfach gar nicht haben können, leicht ein irriges Urteil entsteht. Es ist daher sehr erwünscht, dass die geehrten Eltern und ihre Stellvertreter in allen Zweifelsfällen mit dem Klassenlehrer oder dem Direktor Rücksprache nehmen und durch solch vertrauendes Entgegenkommen der Schule die Unterstützung zuteil werden lassen, ohne die sie ihre Aufgabe an den ihr anvertrauten Zöglingen nur unvollkommen zu lösen vermag.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

# VI. Jahresereignisse.

Die Aufnahmeprüfung fand Montag, den 10. April statt; der Unterricht begann tags darauf nach gemeinsamer Andacht und einer Ansprache des Unterzeichneten.

Mit dem Beginn des Schuljahres traten zwei Lehrer ins Kollegium ein: Herr Weller[1]) an Stelle des an die Realschule mit Realgymnasialklassen berufenen Herrn Oberlehrers Rudorf als ständiger Fachlehrer, Herr cand. r. m. Grosse[2]) als wissenschaftlicher Hilfslehrer.

Durch die sehr dankenswerte Berufung eines Hilfslehrers wurde die vollständige Trennung der Quinten ermöglicht, die, wenn schon aus inneren Gründen wünschenswert, durch die grosse Schülerzahl nachgerade unumgänglich notwendig geworden war.

Die Vorstellung und Einweisung der genannten Herren vollzog der unterzeichnete Direktor im Anschluss an die Eröffnungsandacht; bei derselben Gelegenheit verkündete er, dass durch Dekret Hohen Ministeriums vom 22. März 1899 den bisherigen ständigen wiss. Lehrern: Dr. phil. M. Herrmann, cand. r. m. Bauer, Th. Herrmann die Dienstbezeichnung „Oberlehrer" beigelegt sei.

Der Geburtstag Sr. Majestät des Königs wurde Montag, den 24. April, gefeiert. Eröffnet wurde die Feier durch die Motette von Bortniansky: „Du Hirte Israels" (Ps. 80. 2), dann folgten einige Deklamationen, worauf der Schülerchor das „Salvum fac regem" von Lützel vortrug. Die Festrede hielt Oberlehrer Kümmel. Ausgehend vom vorjährigen Manöver, das uns ein Kriegsbild im Frieden geboten habe, schilderte er in Einzelbildern, was Grimma in wirklichen Kriegen bis zurück zum schmalkaldischen erfahren und erlitten hat.[3]) Den Schluss bildete, wie immer, der gemeinschaftliche Gesang: „Den König segne Gott."

---

[1]) Karl Otto Weller wurde geboren den 8. Feb. 1867 in Mylau i. V. Nach dem Besuche der Volksschule seines Heimatsortes fand er 1881 Aufnahme im Kön. Seminare zu Auerbach, das er Ostern 1887 nach bestandener Abgangsprüfung verliess. Nachdem er zu Neudorf und Pfaffengrün kurze Zeit als stellvertretender Lehrer thätig gewesen war, wurde er im August dess. J. Hilfslehrer in Grünbach bei Falkenstein. Im Jahre 1891 bestand er die Wahlfähigkeitsprüfung, worauf er als Hilfslehrer an der 1. Bürgerschule zu Reichenbach i. V. angestellt wurde. Im Februar 1893 wurde er an dieser Schule ständig. Im Herbste 1898 legte er die Fachlehrerprüfung für Zeichnen vor der Kön. Prüfungskommission in Dresden ab, mit 1. April 1899 wurde er als ständiger Fachlehrer an der Realschule mit Progymnasium zu Grimma angestellt.

[2]) Wilhelm Heinrich Georg Grosse, geboren am 7. April 1868 in Hohenstein, besuchte zunächst die Bürgerschule seiner Vaterstadt und wurde Ostern 1881 in die Quarta des Progymnasiums zu Grimma aufgenommen. Ostern 1882 bestand er die Aufnahmeprüfung für die Untertertia der Fürsten- und Landesschule zu Grimma und bezog Ostern 1888 die Universität Leipzig, um Theologie und Paedagogik zu studieren. Nach bestandenem ersten theol. Examen war er ein Jahr lang Hauslehrer in Öderan, das nächste Jahr war er als Vikar an verschiedenen Volksschulen in Leipzig und Zittau thätig. Nachdem er sich Ostern 1895 vor Hohem Landeskonsistorium der theol. Wahlfähigkeitsprüfung unterzogen hatte, wurde er Lehrer an der Handelslehranstalt zu Bautzen. Von Ostern 1896 wirkte er als Lehrer an der V. Bürgerschule zu Leipzig, bis er Ostern 1899 an der Realschule mit Progymnasium zu Grimma Anstellung fand.

[3]) Die Rede ist ihrem wesentlichen Inhalte nach abgedruckt in den „Nachrichten für Grimma u. Umgegend" 1899 N. 150.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

Für den 25. Mai war Oberlehrer Bauer zu einer achtwöchigen Sommerübung beim Schützenregiment Nr. 108 einberufen. Dank der Liberalität der Kollaturbehörde konnte für die Zeit zwischen den Pfingst- und Hundstagsferien ein Vikar berufen werden, der den gesamten Unterricht des abwesenden Herrn Kollegen zu übernehmen imstande war. Herr cand. r. m. Voigt aus Halle a/S., der bereits mehrfach als Lehrer thätig gewesen war, unterzog sich dieser Aufgabe mit entschiedenem Ernst und Eifer und wurde ihr vermöge seines Lehrgeschickes durchaus gerecht.

Die Feier des 150jährigen Geburtstages Goethes wurde mit der Sedanfeier vereinigt. Auf den Gesang des Schülerchors: „Gebet fürs Vaterland" von Alexis Lwoff folgten Deklamationen teils vaterländischer, teils auf Goethe bezüglicher Gedichte, hierauf wiederum Vortrag des Schülerchors: „Auf deinen Höhn, du mein liebes Vaterland" (Schottische Volksweise). Die Festrede hielt Oberlehrer Zander. Nach einer in mehrfacher Hinsicht durchgeführten Gegenüberstellung von Bismarck und Goethe bildeten die Verdienste des letzteren um die Entwickelung des deutschen Volksbewusstseins den Gegenstand seiner Festbetrachtung. Die Feier schloss mit dem gemeinschaftlichen Gesange: „Deutschland, Deutschland, über alles".

Die schriftlichen Michaelis-Prüfungsarbeiten wurden in den Tagen vom 11. bis 13. September angefertigt.

Beschlossen wurde das Sommerhalbjahr den 22. Sept. mit gemeinsamer Andacht und einer Ansprache des Oberlehrers Bauer, in der auch des bevorstehenden Auszugs aus dem bisherigen Schulgebäude gedacht und gewissermassen Abschied vom alten Hause genommen wurde.

Das Winterhalbjahr wurde am 2. Okt. begonnen.

Der Umzug ins neue Gebäude wurde in der Hauptsache in anderthalb Tagen (6. und 7. Okt.) bewirkt, an denen aus diesem Grunde der Unterricht ausgesetzt werden musste.

Die Einweihung des neuen Gebäudes vollzog sich nach folgendem Programm.[1])

## **Vorfeier.** Sonntag den 8. Oktober:

Abend 7 Uhr Fackelzug der jetzigen und ehemaliger Schüler zu Ehren der Stadt Grimma.

Danach gesellige Vereinigung auf dem Ratskeller, vom Ausschuss der ehemaligen Schüler veranstaltet.

## **Weihetag.** Montag, den 9. Oktober:

I. Festzug der Festteilnehmer $^1/_2$11 Uhr vom Marktplatze aus.

II. Weihefeier 11 Uhr in der Aula des neuen Schulhauses.

1. Gesang des Schülerchors: Engel-Terzett aus „Elias" (Psalm 121. 1—2) von Mendelssohn-Bartholdy.
2. Weihegebet, gesprochen von Herrn Sup. Lic. th. Dr. phil. Albert.
3. Ansprache des Herrn Bürgermeisters Lobeck.
4. Ansprache des Herrn Realschuldirektors Prof. Brandt.
5. Gesang des Schülerchors: „Preis und Anbetung", Motette von Rinck.
6. Ansprachen von Ehrengästen und sonstigen Festteilnehmern.
7. Gebet.
8. Allgemeiner Gesang: „Nun danket alle Gott" (1. Str.).

Danach Besichtigung der Schule.

---

[1]) Ein ausführlicher Bericht über die Einweihungsfeierlichkeiten wird besonders ausgegeben werden.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

III. Festmahl 2 Uhr auf dem Ratskeller.

IV. Schülerabend 7 Uhr auf dem Schützenhause.

1. Jubel-Ouverture von C. M. v. Weber.
2. Begrüssung.
3. Gesang des Schülerchors: „Holder Friede“ (aus Schillers „Glocke“) von Andr. Romberg.
4. Zwei Hornquartette:
   a) „Du Schwert an meiner Linken“ } C. M. v. Weber.
   b) Lützows wilde Jagd }
5. Theodor Körner. Vaterländisches Festspiel von M. Detloff. Dargestellt von den Schülern der I. Klasse der Realschule unter Mitwirkung der Tochter eines Lehrers der Anstalt.
   Abendbrot-Pause. (30 Minuten.)
6. Kriegsmarsch der Priester aus „Athalia“ für Geige und Klavier von Mendelssohn-Bartholdy.
7. Lied, vorgetragen vom Schülerchor: „Der frohe Wandersmann“ von Mendelssohn-Bartholdy.
8. Keulenschwingen.
9. Fantasie a. d. Op. „Mignon“ von Thomas.
10. Marsch f. Klavier zu 4 Händen von Schubert.
11. Roland der Schildträger. Eine Schulkomödie in 3 Aufzügen. Frei nach Uhlands gleichnamiger Ballade. (Verfasser ungenannt.) Dargestellt von Schülern der Unterklassen des Progymnasiums und der Realschule.
12. Treu zur Fahne. Marsch von F. v. Blon.

Der folgende Tag war, wie billig, Ruhetag; zudem sollte jedermann Gelegenheit geboten werden, das neue Gebäude, bevor es in Benutzung genommen würde, in allen seinen Teilen zu besichtigen. Der Einladung dazu, die der Direktor den Abend zuvor an das Festpublikum im Schützenhause gerichtet hatte, wurde von Damen und Herren in grosser Zahl entsprochen; das improvisierte Frühschoppenkonzert im benachbarten Restaurant „zur Terrasse“ fand freundlichen Zuspruch, namentlich von den jüngeren Semestern der alten Herren.

Am 29. Nov. feierte Herr Superintendent Lic. theol. Dr. phil. Albert sein 25jähriges Jubiläum als ordinierter Geistlicher. Dem hochverehrten Herrn brachte der unterzeichnete Direktor die Glückwünsche des Kollegiums schriftlich dar.

Unsere schlichte Weihnachtsfeier begingen wir diesmal den Abend vor dem Schulschluss. Zwei mächtige Tannenbäume im Lichterglanz erhöhten den auch bei Beleuchtung sehr wirkungsvollen Eindruck unserer Aula. Die Feier bestand in Vorträgen des Schülerchors („Es ist ein Ros' entsprungen“ und „O du fröhliche, o du selige“), Verlesung des Weihnachtsevangeliums durch Oberlehrer Winkler, gemeinsamem Gesange zweier Weihnachtslieder des Gesangbuchs und einer mit Gebet schliessenden Ansprache des Oberlehrers Bauer.

Der Unterricht des neuen Jahres wurde den 8. Jan. mit gemeinsamer Andacht und einer Ansprache des Unterzeichneten eröffnet.

Zum Geburtstage Sr. Majestät des Kaisers wurde eine gemeinsame Morgenandacht abgehalten, bei der der Unterzeichnete das Gebet sprach.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

Am 1. Feb. nahmen Lehrer und konfirmierte Schüler an der Feier des heil. Abendmahles in der Frauenkirche teil.

Die schriftliche Osterreifeprüfung wurde in den Tagen vom 24. Feb. bis 3. März, die mündliche am 16. März abgehalten. Kön. Prüfungskommissar war wiederum Herr Professor Uhlich.

An derselben nahm auch ein Auswärtiger, der von Hohem Ministerium hierher gewiesene Geometergehilfe Herr Gustav Adolf Hänsch aus Pulsnitz, teil.

Sämtlichen 12 Prüflingen wurde das Reifezeugnis zuerkannt.

Es erhielt:

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Förster | als | wiss. | Hauptcensur | IIIa, | als | Sittencensur | I. |
| Irrgang | - | - | - | III, | - | - | I. |
| Julius | - | - | - | IIIa, | - | - | I. |
| Kerst | - | - | - | II, | - | - | I. |
| Naumann | - | - | - | IIb, | - | - | I. |
| Rothe | - | - | - | IIIa, | - | - | I. |
| Schenker | - | - | - | IIIa, | - | - | I. |
| Schmidt | - | - | - | IIIa, | - | - | I. |
| Thomas | - | - | - | II, | - | - | I. |
| Voigt | - | - | - | II, | - | - | I. |
| Winkler | - | - | - | III, | - | - | I. |

Herr Hänsch erhielt als wissenschaftliche Hauptcensur III, als Sittencensur wurde ihm auf Grund der beigebrachten Zeugnisse das Prädikat „tadellos" zuerkannt.

Kerst will zunächst das Dresdener Realgymnasium „Dreikönigsschule" besuchen, Irrgang und Julius werden sich dem Eisenbahn-, Schenker dem Postdienste, Förster dem Bank-, Voigt dem Baufache widmen. Naumann will Buchhändler, Rothe Kaufmann, Schmidt Drogist, Winkler Landwirt werden; Thomas gedenkt die Beamtenlaufbahn einzuschlagen.

Entlassen wurden die Abiturienten am 21. März. Nach der Ansprache des Direktors an die Abiturienten und ihrer Entlassung aus dem Verbande der Schule sprach der Abiturient Kerst im Namen der Abgehenden Dankes- und Abschiedsworte, worauf der Schülerchor mit dem Comitate von Mendelssohn-Bartholdy: „Nun zu guter Letzt" erwiderte. Gebet und Gesang der letzten Strophe des Liedes: „Bis hieher hat mich Gott gebracht", dessen beide ersten Verse die Feier eingeleitet hatten, bildeten den Schluss.

Die schriftlichen Klassen-Prüfungsarbeiten wurden in den Tagen vom 22. bis 26. März angefertigt.

Grimma, den 26. März 1900.

**Brandt.**

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

# VII. Öffentliche Prüfungen.

**Donnerstag, den 5. April.**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 8 Uhr | Kl. IVP: | Religion | Winkler. |
| | | Französisch | Bauer. |
| 9 - | - II: | Mathematik | Saupe. |
| | | Englisch | Zander. |
| 10 - | - VR: | Rechnen | Agsten. |
| $10^1/_2$ - | - VP: | Latein | Kümmel. |
| 11 - | - IVR: | Naturbeschreibung | Th. Herrmann. |
| | | Geschichte | Winkler. |

Nach den Prüfungen der einzelnen Klassen Deklamationen.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3 Uhr | Kl. II—VI | Turnen | Weller und Grosse. |

**Freitag, den 6. April.**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 8 Uhr | Kl. VI: | Religion | Grosse. |
| $8^1/_2$ - | - VIP: | Latein | M. Herrmann. |
| 9 - | - III: | Französisch | Granz. |
| | | Geographie | Agsten. |

Nach den Prüfungen der einzelnen Klassen Deklamationen.

---

Die schriftlichen Prüfungsarbeiten liegen während der Prüfung in der Aula aus; die Zeichnungen werden vom Beginn der Prüfung bis zum Beginn des Unterrichts im neuen Schuljahre im Zeichensaale (II. Stock) ausgestellt sein.

---

Zu diesen Prüfungen beehrt sich die Behörden der Stadt, die Angehörigen der Schüler, die Freunde der Anstalt im Namen des Lehrerkollegiums ergebenst einzuladen

Prof. **Brandt,** Direktor.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

**Freitag, den 6. April,** 11 Uhr:

Verteilung der Censuren, Versetzung, Entlassung der abgehenden Schüler, Verteilung der Prämien, Schulschluss.

---

**Montag, den 23. April,** 9 Uhr:

Feier des Geburtstages Sr. Majestät des Königs.

---

**Dienstag, den 24. April,** 8 Uhr:

Aufnahme.

---

**Mittwoch, den 25. April,** 7 Uhr:

Beginn des Unterrichts.

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf

Verteilung der Ce

Feie

hr:

abgehenden Schüler,

uss.

hr:

Königs.

Uhr:

Uhr:

Universitäts- und
Landesbibliothek Düsseldorf